पौष शुक्ल पक्ष - 14, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 180 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल

02 जनवरी 2026 शुक्रवार

आज का मौसम

25.5 अधिकतम

10.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

भाजपा विधायक समेत 11 के खिलाफ मामला दर्ज

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक के बल्लारी में गुरुवार को हुई हिंसा के मामले में भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी समेत 11 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं हिंसा के बाद बल्लारी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। दरअसल बैनर लगाने को लेकर कांग्रेस विधायक भरत रेड्डी और भाजपा विधायक जनार्दन रेड्डी के समर्थक आपस में भिड़ गए थे। इस हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

जर्मनी में आग से बचने कूदा तेलंगाना का छात्र, मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। नए साल के जश्न के दौरान तेलंगाना के जंगांव जिले के हृतिक छात्र की जर्मनी में मौत हो गई। हृतिक उच्च शिक्षा के लिए जर्मनी गया था। वह जिस अपार्टमेंट में रहता था, उसमें 31 दिसंबर की रात को आग लग गई। जिसके बाद उसने आग से जान बचाने की कोशिश में छलांग लगा दी, इससे उसके सिर में गंभीर चोट आई और अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

रॉक ब्लास्टिंग से गर्भवती तेंदुआ की गई जान

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु के पास बसवनतारा वन क्षेत्र में गुरुवार, 1 जनवरी को एक मादा तेंदुए और उसके अजन्मे शावकों की मौत हो गई। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। शुरुआत में यह मामला अवैध रॉक ब्लास्टिंग का सामने आ रहा है। राज्य के वन मंत्री का यह निर्देश बेंगलुरु शहर मंडल के अंतर्गत कग्गलीपुरा रेंज के वन कर्मचारियों द्वारा नियमित गश्त के दौरान एक तेंदुए का शव मिलने के बाद आया है।

फोर लेन पर टायर फटने के बाद पलटी बस, 40 घायल

उज्जैन, एजेंसी। गरोठ-उज्जैन फोर लेन पर ग्राम ढाबला के पास सोनीपत जा रही बस पलट गई। हादसे में 40 अधिक लोग घायल हो गए है। सभी घायलों को शामगढ़ के शासकीय अस्पताल लाया गया। दो लोगों को गंभीर चोट लगने पर जिला अस्पताल लाया गया है। मिली जानकारी के अनुसार हरियाणा के सोनीपत से श्रद्धालु ओंकारेश्वर व महाकालेश्वर के दर्शन करने आए थे। सभी सुबह उज्जैन से सोनीपत के लिए निकले थे। तभी गरोठ-उज्जेन फोर लेन पर ढाबला के पास बस का टायर फटने से पलट गई।

कोमा में पति... हाईकोर्ट ने पत्नी को बनाया अभिभावक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक दुर्लभ मामले में कोमाग्रस्त पति की सेवा के लिए पत्नी को कानूनी अभिभावक नियुक्त किया है। याचिकाकर्ता ने कहा कि कोई कानून उन्हें या कानूनी उत्तराधिकारी को अभिभावकीय अधिकार नहीं देते हैं। ऐसे में चिकित्सकीय खर्चों के लिए पति के बैंक खातों और अन्य उपलब्ध संसाधनों का कैसे इस्तेमाल करूं। दिल्ली हाईकोर्ट ने प्रोफेसर अलका आचार्य को उनके पति सलाम खान का कानूनी अभिभावक नियुक्त कर दिया।

आज का कार्टून

कर्नाटक का सरकारी सर्वेक्षण... लोग बोले- देश में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष

अपनी ही सरकार के सर्वे में राहुल के दावों पर 'चोट'

» प्रदेश के 83 फीसदी लोगों का ईवीएम पर भरोसा कायम

» भाजपा बोली, यह कांग्रेस के झूठ पर करारा तमाचा

बेंगलुरु/नई दिल्ली, एजेंसी

2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार द्वारा करवाए गए एक सर्वे में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर लोगों का मज़बूत भरोसा सामने आया है, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर बार-बार सवाल उठाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार किया है। यह सर्वे सिद्धारमैया सरकार द्वारा प्रदेश भर में कराया गया। इसमें पता चला कि ज़्यादातर नागरिक मानते हैं कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होते हैं, जबकि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। डेक्कन हेराल्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह सर्वे बेंगलुरु, बेलगावी, कलबुर्गी और मैसूरु के प्रशासनिक डिवीजनों में 102 विधानसभा क्षेत्रों में 5,100 लोगों पर किया गया था, जिसे मुख्य चुनाव अधिकारी वी. अंबुकुमार ने करवाया था।

योजना, कार्यक्रम निगरानी और सांख्यिकी विभाग के तहत कर्नाटक निगरानी और मूल्यांकन प्राधिकरण द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में पता चला कि 84.55 फीसदी लोगों का मानना था कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाते हैं। ईवीएम वाले सर्वे में पाया गया कि 83.61 फीसदी नागरिकों का मानना था कि ईवीएम भरोसेमंद हैं। यह 2023 के 71 ,9 प्रतिशत से काफी ज़्यादा था, जिससे पता चलता है कि ईवीएम पर लोगों का भरोसा बढ़ा है। रिपोर्ट में कहा गया है, कालाबुरागी डिवीजन में भरोसा सबसे ज़्यादा था। यहां 83.24 फीसदी लोग सहमत और 11.24 फीसदी लोग पूरी तरह सहमत थे। इसके बाद मैसूरु डिवीजन में 70.67 फीसदी लोग सहमत थे और 17.92 फीसदी लोग पूरी तरह सहमत थे।

सर्वे के नतीजे कांग्रेस के खिलाफ !

कर्नाटक सरकार के सर्वे के नतीजे कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के खिलाफ खिलाफ वोट चोरी कैंपेन की शुरुआत की थी। राहुल गांधी ने दावा किया था कि ईवीएम से वोट चोरी होती है इसलिए बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने चाहिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने ईवीएम पर कथित भरोसे की कमी के कारण स्थानीय निकाय चुनावों के लिए बैलेट पेपर वापस लाने का फैसला किया है। हालांकि बेलेट पेपर से स्थानीय निकाय चुनाव कराने के सरकार के फैसले को लेकर शुरू से ही एनडीए से जुड़े दल सवाल उठा रहे हैं। अब इस सर्वे के बाद नई बहस छिड़ने के आसार हैं।

सिद्धारमैया ने दिखाया आईना - भाजपा

इस सर्वे के सामने आने के बाद भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का मौका मिल गया है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार ने राहुल गांधी द्वारा फैलाए गए झूठ को करारा तमाचा मारा है और उन्हें प्रचार का नेता कहा। उन्होंने आगे कहा, 'यह वही राहुल गांधी हैं जिन्हें चुनाव आयोग से कोई दिक्कत नहीं होती जब कांग्रेस कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल में जीतती है, लेकिन जब वह चुनाव हारते हैं, तो वह चुनाव आयोग पर आरोप लगाते हैं। शहजाद पूनावाला ने कहा कि उमर अब्दुल्ला और सुप्रिया सुले जैसे इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने भी राहुल गांधी के झूठे दावों से खुद को दूर कर लिया है और अब कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने उन्हें आईना दिखाया है। दरअसल, पिछले महीने विपक्षी सांसदों ने चुनावों में पेपर बैलेट पर वापस लाने की जोरदार वकालत की थी। यह कहते हुए कि इससे चुनावी प्रक्रिया में मतदाताओं का भरोसा बहाल होगा क्योंकि ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए गए हैं। हालांकि, बीजेपी ने आरोप लगाया कि ऐसा करने का मतलब बूथ कैप्चरिंग के दिनों में वापस जाना होगा।

उज्जैन के खाचरौद को विकास की सौगात

उज्जैन, एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज उज्जैन के खाचरौद में 74.35 करोड़ रुपये से अधिक की लागत के विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने में 48.51 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और 25.84 करोड़ के विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया। साथ ही 35.40 करोड़ की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण भी किया। खाचरौद में 9 करोड़ 10 लाख रूपये की लागत से बनने वाले संयुक्त तहसील कार्यालय भवन का भी भूमि-पूजन कर रहे हैं।

तक्षशिला के पास से मिले दुर्लभ सिक्के

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तानी पुरातत्वविदों को ऐतिहासिक शहर तक्षशिला के पास यूनेस्को साइट की खुदाई के दौरान दुर्लभ सजावटी पत्थर और सिक्के मिले हैं। इससे प्राचीन सभ्यता की शहरी बस्ती के प्रमाण मिले हैं। ये खोजें प्राचीन भीर टीले पर की गई हैं। विशेषज्ञों को छठी शताब्दी ईसा पूर्व के सजावटी पत्थर और दूसरी शताब्दी ईस्वी के सिक्के मिले हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने इसे एक दशक में साइट पर सबसे महत्वपूर्ण खोज बताया है।

उल्टी-दस्त के 338 नए केस

इंदौर में जहरीला पानी पीने से मरने वालों की संख्या 15 हुई

इंदौर, एजेंसी

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी की वजह से आज एक और बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। इसके साथ ही दूषित पानी से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 15 पर पहुंच गया है। जानकारी के मुताबिक एक बुजुर्ग महिला का अरविंदो अस्पताल में इलाज चल रहा था, जहां उसकी मौत हो गई। महिला का नाम गीताबाई (68) बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक 16 बच्चों समेत 201 लोग अब भी अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं।

5 नंबर जोन में पानी की सबसे ज्यादा शिकायतें

भागीरथपुरा में दूषित जल से एक दर्जन से अधिक मौत के बाद निगम के अधिकारियों पानी से संबंधित शिकायतों को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है। साल के पहले दिन दोपहर 2.30 बजे तक इंदौर-311 हेल्पलाइन पर पिछले 24 घंटे में 206 जल संबंधित पहुंची। इनमें सबसे ज्यादा शिकायतें जोन नंबर पांच की हैं।

इधर क्षेत्र में 338 नए मरीज मिले हैं। अभी-भी 32 मरीज आईसीयू में भर्ती है। जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया है। अब तक करीब 2800 मरीज सामने आ चुके हैं। बता दें कि भागीरथपुरा स्थित स्वास्थ्य केंद्र में कल देर रात तक मरीज आते रहे। रहवासियों में अभी आक्रोश है। यहां पानी का टैंकर सुविधा के लिए भेजा जा रहा है, लेकिन इसका पानी उपयोग करने में भी लोग डर रहे हैं। वह आरओ का पानी बुलवाकर पी रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक

21 टीमें बनाई गई हैं, जिसमें डॉक्टर, पैरामेडिकल, एएनएम व आशा कार्यकर्ता शामिल है। घर-घर जाकर उबला पानी पीने एवं बाहर का भोजन ना खाने की समझाइश भी दी जा रही है। गुरुवार को 1714 घरों का सर्वे किया गया, जिसमें लगभग 8571 लोगों की जांच की गई।

रैगिंग से डिप्रेशन में गई कॉलेज छात्रा की मौत

धर्मशाला, एजेंसी

राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला में प्रताड़ना से अवसाद में गई छात्रा ने डीएमसी लुधियाना में दम तोड़ दिया है। पुलिस ने बताया कि धर्मशाला के एक सरकारी कॉलेज की तीन छात्राओं पर रैगिंग और जानबूझकर चोट पहुंचाने का मामला दर्ज किया गया है, जबकि एक प्रोफेसर पर 19 साल की लड़की के यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि छात्रा को सहयोगियों ने जाति को लेकर चिढ़ाया था। छात्रा बीए प्रथम वर्ष में फेल हो गई थी।

भोपाल से गुजरने वाली ट्रेनों में सादे कपड़ों में होगी जवानों की गश्त

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल से हर दिन हजारों यात्री लंबी दूरी और लोकल ट्रेनों से सफर करते हैं। यात्रियों की इसी भीड़ को देखते हुए रेलवे ने वर्ष 2025 में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया है। पिछले साल सामने आई चोरी और असुरक्षा की घटनाओं से सबक लेते हुए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी ने मिलकर नया सुरक्षा मॉडल लागू किया है। अब ट्रेनों में लगातार गश्त, सादे कपड़ों में जवानों की तैनाती और तकनीकी निगरानी बढ़ा दी गई है। भोपाल मंडल से गुजरने वाली प्रमुख एक्सप्रेस और भीड़भाड़ वाली ट्रेनों पर खास नजर रखी जा रही है। रात के समय यात्रा के दौरान कोच और संवेदनशील ट्रेनों में चेकिंग तेज की गई है।

वर्ष 2025 में आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त कार्रवाई में 160 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था, जबकि 125 मामलों में चोरी गया सामान बरामद किया गया। करीब 33 लाख रुपये की रिकवरी हुई है। राहत की बात यह है कि चोरी हुए मोबाइल फोन में से लगभग आधे यात्रियों को वापस मिल चुके हैं।

शताब्दी वर्ष : सरसंघचालक के राजधानी में दो दिनों में चार कार्यक्रम

भागवत का युवाओं से संवाद, प्रबुद्धजनों से मिलेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर देशभर में जारी प्रवास श्रृंखला के तहत सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत आज और कल दो दिवसीय प्रवास पर भोपाल में हैं। जिसके तहत आज कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में प्रांत स्तरीय युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। संवाद में श्री भागवत युवाओं से राष्ट्रनिर्माण, सामाजिक जिम्मेदारी और मूल्यों की भूमिका पर विचार साझा किए। कार्यक्रम में मध्यभारत प्रांत के सभी 31 जिलों से ऐसे युवा शामिल हुए जिन्होंने शिक्षा, सेवा, नवाचार, सामाजिक कार्य और

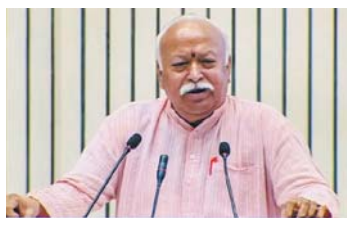

अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की हैं। आज शाम 5:30 बजे रविन्द्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में प्रमुखजन गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसमें भोपाल विभाग के सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, व्यवसायिक और अन्य क्षेत्रों में सक्रिय प्रमुख व्यक्तित्वों को आमंत्रित किया गया है। गोष्ठी में संघ की शताब्दी यात्रा, सामाजिक समरसता और वर्तमान समय की चुनौतियों पर संवाद होगा।

सामाजिक सद्भाव बैठक

कल सुबह 9:30 बजे कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में सामाजिक सद्भाव बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें प्रांत के सभी जिलों से विभिन्न समाजों के प्रमुख प्रतिनिधि भोपाल पहुंचेंगे। बैठक का उद्देश्य सामाजिक एकता, समरसता और पारस्परिक सहयोग को मजबूत करना है। सरसंघचालक इस मंच से समाज को जोड़ने वाले विचारों और साझा जिम्मेदारियों पर मार्गदर्शन देंगे।

मेट्रो एंकर

देशभर में 5.41 करोड़ केस पेंडिंग, इनका निपटारा कोर्ट के लिए बड़ी चुनौती

अदालतों में लंबित मामलों से संवैधानिक संकट का खतरा

नईदिल्ली, एजेंसी

देश में न्यायपालिका के सामने अभी भी सबसे बड़ी चुनौती करोड़ों केस की पेंडेंसी को कम करना है। देश भर की निचली अदालतों, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भारी पेंडेंसी है। नेशनल जुडिशल डेटा ग्रिड में 28 दिसंबर 2025 के आंकड़ों के मुताबिक देश भर की निचली अदालतों, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में कुल मिलाकर 5 करोड़ 41 लाख केस पेंडिंग है। निचली अदालतों में इनकी संख्या 4.76 करोड़ है जिसमे 3.65 करोड़ केस क्रिमिनल के हैं और बाकी सिविल मैटर है। जस्टिस सूर्यकांत ने नवंबर में शपथ से ठीक पहले कहा था कि उनकी प्राथमिकता होगी कि पेंडेंसी पर काबू पाया जा सके। उन्होंने कहा था, हम सबसे पहले यह देखेंगे कि पेंडेंसी को कैसे कम किया जाए और इसके लिए जो संसाधन है उसका इस्तेमाल बेहतर तरीके से किया जाएगा। पिछले साल 11 जुलाई को लॉ मिनिस्ट्री ने केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को दिशा निर्देश जारी किए थे ताकि वैसे मामले जहां सरकार पक्षकार है, उनका जल्द निपटारा सुनिश्चित हो सके।

कहां कितने केस पेंडिंग		जज के खाली पद
सुप्रीम कोर्ट	91.89 हजार	01
हाई कोर्ट्स	63.67 लाख	297
निचली अदालतें	04.76 करोड़	4855
दिल्ली हाईकोर्ट	15.85 लाख	

न्याय की सार्थक पहुंच पर असर

रिटायर डिस्ट्रिक्ट जज और कानूनी जानकार कामिनी लॉ बताती है कि भारत में न्यायिक मामलों का लंबित बोझ अब केवल आंकड़ों की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि यह एक संवैधानिक संकट का रूप ले चुका है, जो न्याय तक सार्थक पहुंच को प्रभावित करता है। इस संदर्भमें, सुप्रीम कोर्ट की जोनल बेंच की स्थापना पर विचार किया जा सकता है। हालांकि, शीर्ष अदालत के सामने पेंडिंग मामलों का एक बड़ा हिस्सा विशेष अनुमति याचिकाओं का है, जो सेवा, जमीन विवादों और सामान्य दीवानी व आपराधिक अपीलो से संबंधित है, जिन्हे हाई कोर्ट स्तर पर ही अंतिम रूप ले लेना चाहिए। उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम में चार स्थायी जोनल बेच की स्थापना, और नई दिल्ली में स्थायी रूप से बैठने वाली एक संविधान पीठ के साथ, न्याय तक पहुंच का विकेंद्रीकरण होगा तो वादियों के सामने आने वाली भौगोलिक और आर्थिक बढ़ाएं काम होंगी।

मौसम ने फिर करवट ली...

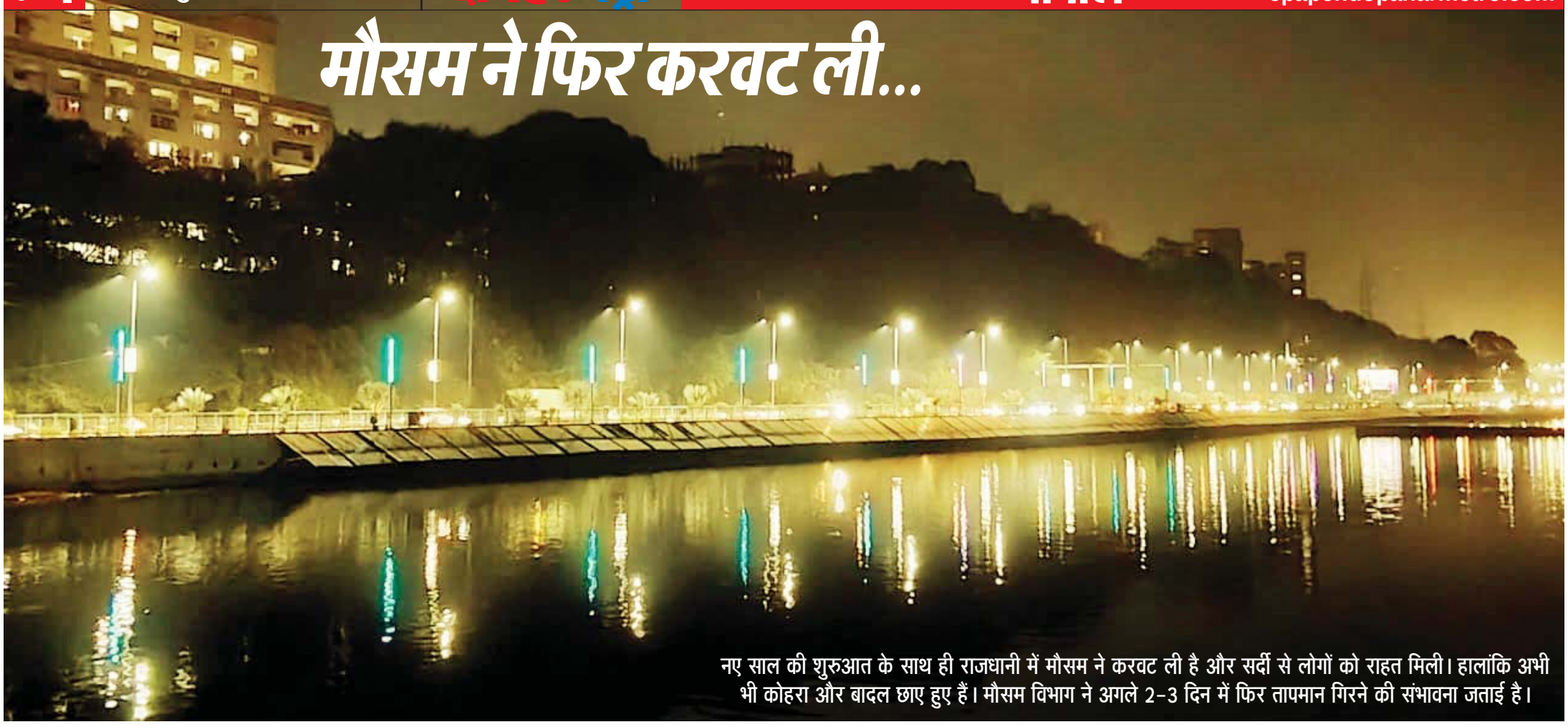

नए साल की शुरुआत के साथ ही राजधानी में मौसम ने करवट ली है और सर्दी से लोगों को राहत मिली। हालांकि अभी भी कोहरा और बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग ने अगले 2-3 दिन में फिर तापमान गिरने की संभावना जताई है।

'राजू' की तलाश में जुटी 6 राज्यों की पुलिस

देशभर में डेरे को संरक्षण देने वालों का डेटा तैयार होगा, पुलिस पूरा नेटवर्क ही ध्वस्त करने में जुटी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल के ईरानी डेरा अमन कॉलोनी के प्रमुख कुख्यात राजू ईरानी और उसके गिरोह के पांच सदस्यों की तलाश में 6 राज्यों की पुलिस ने भोपाल में डेरा डाल रखा है। इसी के साथ भोपाल पुलिस ईरानी डेरा को अपराधियों को संरक्षण देने वाले तमाम राज्यों में मौजूद उनके करीबियों का डेटा तैयार कर रही है। गिरफ्तार ईरानी गैंग के सदस्यों से उनके काम करने के तरीके, संरक्षण देने वाले और अन्य राज्यों में रहने वाले उनके रिश्तेदारों की जानकारी पुलिस ने हासिल की थी। भोपाल के ईरानी गैंग के सदस्य वारदातों के बाद प्रमुख रूप से नर्मदापुरम, देवास, मुंबई, बैंगलुरू, दिल्ली, छत्तीसगढ़ जैसे जगहों में फरारी काटने जाते हैं। इसी प्रकार उनके अन्य राज्यों में रहने वाले रिश्तेदार वहां वारदातों के बाद भोपाल की अमन कॉलोनी में फरारी काटने आते हैं।

डेरे की जमीन के कागजात की सर्चिंग

अमन कॉलोनी में बने ईरानी डेरे के कागजात की छानबीन प्रशासन की टीम कर रही है। इसी के साथ नगर निगम की बिल्डिंग परमिशन और अतिक्रमण शाखा भी डेरे पर बने मकानों की जांच कर रही है। नियम विरुद्ध बने मकानों पर जल्द प्रशासन का बुल्डोजर चल सकता है। वहीं पुलिस को राजू ईरानी, सालिक ईरानी, गुलाब ईरानी और सबदर की तलाश है। यह सभी पुलिस की कार्रवाई के बाद से फरार हैं।

वारदातों के लिए महीनों का सफर

ईरानी डेरे में रहने वाले अपराधी चोरी, लूट, ठगी जैसी वारदातों के लिए महीनों कबीले से दूर दूसरे शहर और राज्यों में रहते हैं। इसे सफर में होना कहा जाता है। इस दौरान कबीले के युवक आपराधिक वारदातों को अंजाम देते हैं। पकड़े जाने पर भी माल को सुरक्षित कबीले तक पहुंचाने के लिए दो युवक होते हैं। सफर में जाने वाले युवकों के गिरोह के साथ हर समय दो युवक ऐसे होते हैं जो वारदात में सीधे तौर पर शामिल नहीं होते, लेकिन घटना के बाद मिले माल को लेकर सुरक्षित कबीले तक लाने की जिम्मेदारी इनकी होती है। इसके लिए कई बार आरोपी बाय रोड लग्जरी कार और बाइक से सैकड़ों किलोमीटर तक का सफर तय करते हैं।

2014 में 39 घरों में आगजनी के बाद चर्चा में आया डेरा

अमन कॉलोनी में शिया (ईरानी) समुदाय के कुछ 30 से अधिक परिवारों ने 2014 को एक साथ अपने मकान बनाए। इस क्षेत्र में आफताब मस्जिद के पास पड़ी खाली जमीन पर वे लोग कब्जा कर इमामबाड़ा बनाना चाहते थे। सुन्नी समुदाय ने इसका विरोध किया था। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष आमने सामने हुए। दोनों तरफ से मारपीट पत्थरबाजी हुई। बाद में ईरानियों ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने दोनों पक्षों को खदेड़कर मामला शांत कराया था। 12 दिसंबर 2014 को कॉलोनी में फोर्स तैनात कर दिया था। ईरानी समुदाय के लोग भी रात भर जागकर पहरा देते रहे। सुन्नी समुदाय के लोग लाठी-डंडे, हथियार एवं पेट्रोल लेकर अमन कॉलोनी पहुंचे और चारों ओर से रास्ते बंद कर दिए। घरों में घुसकर हमला शुरू कर दिया। खूनी संघर्ष करीब एक घंटे से अधिक समय तक चला। इस दौरान दोनों पक्षों ने करीब 39 मकानों में आगजनी की। दर्जनों लोग घायल हो हुए थे।

नाम जोड़ने और हटाने के आ रहे आवेदन

एमपी एसआईआर : ड्राफ्ट लिस्ट में 99,370 नाम बढ़ने का अनुमान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एसआईआर की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट प्रकाशित होने के बाद मप्र में अब तक गलत ढंग से जोड़े गए 5,894 नाम काटने के आवेदन मिल चुके हैं। इसके अलावा, छूटे हुए 85,889 नाम जोड़ने के आवेदन चुनाव आयोग के पास आए हैं। 27 अक्टूबर से पहले की स्थिति में चुनाव आयोग को नए नाम जोड़ने के 42,953 आवेदन मिले थे और 24,709 आवेदन नाम काटने के मिले थे। इस लिहाज से मतदाता सूची में कुल 99,370 नाम और बढ़ने का अनुमान है। गौरतलब है कि एसआईआर के ड्राफ्ट रोल प्रकाशन को 10 दिन पूरे हो गए हैं। चुनाव आयोग की ओर से 22 जनवरी तक आम लोगों और राजनीतिक पार्टियों से दावे आपत्तियां ली जाएंगी। मप्र में 6 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल हैं। इन सभी की ओर से नाम जोड़ने के 1,218 और नाम हटाने के 87 आवेदन चुनाव आयोग को दिए गए हैं। नाम जोड़ने के सर्वाधिक 920 आवेदन भाजपा ने दिए हैं, जबकि 279 नाम जोड़ने के प्रस्ताव कांग्रेस की ओर से आए हैं। बसपा ने भी 19 नाम जोड़ने के आवेदन दिए हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी और नेशनल पीपुल्स पार्टी की ओर से एक भी दावा या आपत्ति नहीं आई है।

आयोग ने पार्टियों को सौंपी बूथवार अनमैप्ड वोटर सूची

चुनाव आयोग ने प्रदेश के सभी 6 मान्यता प्राप्त दलों के प्रतिनिधियों के साथ एसआईआर में दावे आपत्तियों की स्थिति को लेकर बैठक की। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रामप्रताप सिंह जादौन ने पार्टी प्रतिनिधियों को विधानसभावार अनमैप्ड, अनुपस्थित मिले, मृत, इस लिहाज और डुप्लीकेसी रजिस्ट्रेशन वाले नामों की सूची सौंप दी। सभी दलों को डिजिटल फॉर्मेट में यह जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

'थाने आने वालों के साथ अच्छा व्यवहार और आचरण रखें'

पुलिस मुख्यालय में नववर्ष पर अधिकारियों को डीजीपी ने बताई प्राथमिकता

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

डीजीपी कैलाश मकवाणा ने कहा है कि पुलिस थाना गृह विभाग की मूलभूत इकाई है। यहां बड़ी संख्या में आमजन का दिन-प्रतिदिन आना जाना और पुलिस से सम्पर्क होता है। इसलिए थाना स्टाफ की जिम्मेदारी है कि अपने उत्तम चरित्र एवं आचरण का प्रदर्शन करें। थाने आने वाले पीड़ितों एवं आवेदकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार रखते हुए त्वरित कार्रवाई की जाए। साइबर फ्रॉड के नए तरीकों को दृष्टिगत रखते हुए Capacity Building समय की आवश्यकता है। नववर्ष 2026 के अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा द्वारा पुलिसकर्मियों के लिए शुभकामना संदेश जारी किया गया। इस दौरान कहा गया कि यह शुभकामना संदेश केवल औपचारिक बधाई नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश पुलिस के लिए आत्ममंथन, सम्मान और भविष्य की कार्ययोजना का स्पष्ट दस्तावेज है। यह संदेश उस सामूहिक परिश्रम की सार्वजनिक स्वीकृति है, जिसके बल पर वर्ष 2025 मध्यप्रदेश पुलिस के लिए ऐतिहासिक उपलब्धियों का वर्ष बना।

उपलब्धियां बताईं: पुलिस महानिदेशक ने अपने संदेश में वर्ष 2025 को टीमवर्क, नवाचार और संवेदनशील पुलिसिंग का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने, डायल-112 क्रियान्वयन, रिक्त पदों की पूर्ति के लिए भर्ती प्रक्रिया, जनसुनवाई, ई-आफिस, नारकोटिक्स ड्रग्स के विरुद्ध नशे से दूरी है जरूरी जागरूकता अभियान को सफलता मिली है। साथ ही साइबर फ्रॉड से बचाव के लिए सेफ क्लिक जागरूकता अभियान, पुलिस कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं फिटनेस के लिए हार्टफुलनेस संस्था से एम.ओ.यू. प्रारंभ करने के लिए सार्थक प्रयास, एक लाख से अधिक की साइबर फ्रॉड शिकायतों में ई-जीरो एफआईआर, कार्यप्रणाली में सुधार के लिए लंबी अवधि से एक ही थाने में पदस्थ 11,000 से अधिक पुलिस कर्मियों के एक सप्ताह में स्थानांतरण आदि महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। रिकॉर्ड संख्या में हजारों गुम अवयस्क बालिकाओं को मध्यप्रदेश पुलिस ने विशेष प्रयासों से खोजा है। पुलिस महानिदेशक ने संदेश में लिखा है कि सभी महत्वपूर्ण अपराधों में त्वरित पतासाजी, गिरफ्तारी, त्यौहारों के शांतिपूर्ण आयोजन में परिश्रम किया है।

एपीके लिंक भेज 2.49 लाख ठगे, सूझबूझ से रकम होल्ड

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बैरसिया के ग्रामीण राधेश्याम शर्मा के साथ शातिर जालसाज ने 2 लाख 48 हजार 943 रुपए की ठगी कर दी। आरोपी ने यह ठगी एंड्रॉयड पैकेज किट (एपीके) लिंक के जरिए की, जिसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में शेयर किया गया था। थाना प्रभारी बैरसिया वीरेंद्र सेन ने बताया कि बीती 28 दिसंबर को ग्रुप में आई लिंक पर राधेश्याम ने जैसे ही क्लिक किया, उसके कुछ देर बाद ही उनके खाते से रकम कटने लगी। चार अलग-अलग ट्रांजेक्शन में कुल 2,48,943 रुपए खाते से निकाल लिए गए। पैसे कटने का मैसेज आते ही राधेश्याम को ठगी का अंदेशा हुआ। उन्होंने साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद राज्य साइबर पुलिस ने प्राथमिक स्तर पर शून्य पर प्रकरण दर्ज किया। जांच के बाद केस डायरी बैरसिया पुलिस को भेजी गई, जहां असल पर अपराध दर्ज किया गया है। हालांकि, समय पर की गई शिकायत के कारण ट्रांजेक्शन होल्ड करवा दिया गया है।

एपीके लिंक से सावधान : एपीके लिंक एंड्रॉयड ऐप की फाइल होती है, जो गूगल प्ले स्टोर के बाहर से भेजी जाती है। इसे क्लिक करने से मोबाइल में मैलवेयर इंस्टॉल हो जाता है। इससे बैंकिंग, ओटीपी की जानकारी ठगों तक पहुंच जाती है। Install from unknown sources बंद रखें। ठगी पर 1930 या cybercrime.gov.in पर शिकायत करें।

सुबह और रात के समय कोहरा घना होने से ट्रेनों की औसत गति कम रखी जा रही

भोपाल मंडल की ट्रेनें 5 घंटे तक लेट, यात्रियों की जरूरी मीटिंग और परीक्षाएं हुई प्रभावित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी से रोजाना हजारों यात्री दिल्ली, मुंबई, इंदौर, जबलपुर और अन्य बड़े शहरों के लिए रेल से सफर करते हैं, लेकिन सर्दी और कोहरे के इस मौसम में उनकी परेशानी बढ़ती जा रही है। ट्विटर पर भोपाल से चलने और यहां से गुजरने वाली ट्रेनों को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। कोई कनेक्टिंग ट्रेन छूटने की बात कर रहा है, तो किसी की परीक्षा, इंटरव्यू या जरूरी मीटिंग प्रभावित होने की शिकायत है, जिससे साफ है कि ट्रेन लेट होना अब सिर्फ देरी नहीं, बल्कि यात्रियों की योजनाओं पर सीधा असर बन गया है। दो से पांच घंटे देरी से चल रहीं ट्रेनें दिल्ली, लखनऊ, पंजाब, राजस्थान और छत्तीसगढ़ रूट से होकर गुजरने वाली कई लंबी दूरी की ट्रेनें भोपाल जंक्शन और रानी कमलापति स्टेशन पर देरी से पहुंच रही हैं। सुबह और रात के समय कोहरा ज्यादा घना होने से ट्रेनों की औसत गति कम रखी जा रही है। कई ट्रेनें 2 से 5 घंटे तक विलंब से चल रही हैं, जिससे यात्रियों की आगे की यात्रा प्रभावित हो रही है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार कोहरे में दृश्यता बेहद कम हो जाती है, ऐसे में सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए ट्रेनों की रफ्तार सीमित रखनी पड़ती है। लोको पायलटों को विशेष सतर्कता बरतने, सिग्नलिंग सिस्टम की निगरानी और फाग सेफ्टी डिवाइस के इस्तेमाल के निर्देश दिए गए हैं। रेलवे का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

यह ट्रेनें चली देरी से : राजधानी एक्सप्रेस (हजरत निजामुद्दीन-हबीबगंज/रानी कमलापति) 4-5 घंटे तक लेट। संपर्क क्रांति एक्सप्रेस (निजामुद्दीन-हबीबगंज) 2 घंटे, गोवा एक्सप्रेस (हजरत निजामुद्दीन-वास्को दा गामा) 2-3 घंटे तक विलंब, झेलम एक्सप्रेस (जम्मू तवी-पुणे) 2-3 घंटे, सचखंड एक्सप्रेस (नांदेड़-अमृतसर) 4-5 घंटे से लेट, पंजाब मेल (मुंबई-फिरोजपुर कैंट) 2-3 घंटे की देरी से पहुंची। इसके अलावा बीना-कटनी भोपाल-दिल्ली पैसेंजर व एक्सप्रेस ट्रेनें लोकल व डेली पैसेंजर सबसे ज्यादा प्रभावित। रेलवे ने यात्रियों से अपील है कि यात्रा करने से पहले एनटीईएस, हेल्पलाइन या आधिकारिक प्लेटफार्म से ट्रेन की स्थिति जरूर जांच लें।

मेट्रो एंकर

रहवासियों को राहत देने के लिए अधिग्रहण करने की योजना

राजधानी में अवैध कॉलोनियों पर अब नहीं होगी कार्रवाई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल जिले में अब तक अवैध कॉलोनियों पर कार्रवाई कर उन्हें रोकने के प्रयास किए जा रहे थे, लेकिन इनमें कोई खास सफलता नहीं मिल सकी। ऐसे में अब प्रशासन ने अवैध कॉलोनियों का अधिग्रहण करने की योजना बनाई है। जिसके तहत नए साल में जिला प्रशासन, नगर निगम और जिला पंचायत द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई अवैध कॉलोनियों का अधिग्रहण किया जाएगा, इसके बाद इनमें बचे हुए प्लाटों को बेचा जाएगा। इन प्लाटों से जो भी धन प्रशासन को प्राप्त होगा, उसी से कॉलोनियों में सड़क, बिजली, पानी, सीवेज आदि की व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएंगी। इससे लोगों को मूलभूत सुविधाओं के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। बता दें कि जिले की हुजूर, कोलार तहसील में हर साल 100 से

अधिक अवैध कॉलोनियों का विकास हो रहा है, लेकिन इनके खिलाफ कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो रही है। शहर में हुजूर, कोलार और बैरसिया तहसील क्षेत्र के अंतर्गत पिछले छह से आठ साल में तेजी से बसाहट हो रही है। यहां लोग कॉलोनियों में अपने बजट के अनुसार प्लाट खरीदकर उनमें मकान बनाकर रह रहे हैं। इन अवैध कॉलोनियों के कॉलोनाइजर लोगों को बिजली, पानी, सड़क, सीवेज, पार्क आदि की सुविधाओं का दावा कर प्लाट बेचकर मोटी रकम वसूल कर लेते हैं, लेकिन बाद में ऐसी कोई भी सुविधा लोगों को नहीं मिलती है। इससे परेशान होकर रहवासी एसडीएम, तहसील और कलेक्टर कार्यालय के चक्कर लगाना शुरू कर देते हैं। इन्हीं समस्याओं को दूर करने के लिए कलेक्टर ने अवैध कालोनियों को अधिग्रहित कर विकास कार्य करने की योजना बनाई है।

लगातार मिल रही शिकायतें

कलेक्ट्रेट में लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि भूमाफिया सस्ती कृषि भूमि खरीदकर खेतों में मुरम डालकर प्लाट काट रहे हैं और कालोनी बताकर बेच रहे हैं। कई जगह न सड़क है, न नाली, न बिजली-पानी, फिर भी प्लाट टीएंडसीपी से स्वीकृत कालोनियों के बराबर दामों पर बेचे जा रहे हैं। इससे आम लोग भविष्य में बुनियादी सुविधाओं और रजिस्ट्री जैसी समस्याओं में फंस सकते हैं। ऐसे में अवैध कालोनी काटने वालों पर कार्रवाई और लोगों को सुविधा देने अधिग्रहण का फैसला लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि जिन कालोनियों में मूलभूत सुविधाएं नहीं हैं, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर चिह्नित किया जा रहा है। अब तक नौ अवैध कॉलोनियों के खिलाफ नोटिस जारी किए गए हैं, प्लाटिंग रोकी गई है और संबंधित बिल्डरों के खिलाफ वैधानिक प्रक्रिया शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजकोट के उपलेटा में आयोजित 26 वें राष्ट्रीय कथा शिविर में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंन तटरक्षक बल की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही ग्रुप फोटो भी खिंचवाई।

नौकरशाही और पुलिस महकमे के लिए बड़े बदलाव लेकर आया साल 2026

प्रदेश का बदलेगा पावर स्ट्रक्चर, 32 सीनियर अफसर होंगे रिटायर, मुख्य सचिव भी शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

नया साल 2026 मध्य प्रदेश की नौकरशाही और पुलिस महकमे के लिए बड़े बदलाव लेकर आने वाला है। मध्य प्रदेश कैडर के 16 आईपीएस और 16 आईएएस अधिकारी इस वर्ष अपनी सेवाएं पूरी कर सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इनमें पुलिस महानिदेशक से लेकर मुख्य सचिव, एडीजी, आईजी, कलेक्टर और संभागायुक्त स्तर तक के अधिकारी शामिल हैं। इतनी बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारियों के बाहर जाने से शासन और पुलिस व्यवस्था में व्यापक फेरबदल तय माना जा रहा है। गृह विभाग की ओर से जारी सूची के अनुसार प्रदेश के मौजूदा डीजीपी कैलाश मकवाणा भी 2026 में रिटायरमेंट की सूची में शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के तहत डीजीपी का न्यूनतम कार्यकाल दो साल होना जरूरी है, इसी कारण उनकी रिटायरमेंट तिथि बढ़ाई गई है।

डीजी से लेकर एसपी तक खाली होंगे पद

वर्तमान सूची के मुताबिक 2026 में पुलिस विभाग से डीजी रैंक के 4 अधिकारी, एडीजी के 2, आईजी के 5, डीआईजी के 3 और एसपी रैंक के 2 अधिकारी सेवानिवृत्त होंगे। इससे पुलिस मुख्यालय से लेकर रेंज और जिला स्तर तक कई महत्वपूर्ण पद रिक्त हो जाएंगे।

आईएएस कैडर में भी बड़ा बदलाव

सिर्फ पुलिस ही नहीं, बल्कि प्रशासनिक सेवा में भी 2026 अहम रहने वाला है। 16 आईएएस अधिकारी अगले साल रिटायर होंगे। इनमें सबसे बड़ा नाम मुख्य सचिव अनुराग जैन का है, जिनका कार्यकाल 30 सितंबर 2026 को पूरा होगा। यदि केंद्र सरकार उन्हें दोबारा सेवा विस्तार नहीं देती है, तो राज्य को नया मुख्य सचिव चुनना पड़ेगा। मुख्य सचिव के अलावा एसीएस स्तर की अलका उपाध्याय और आशीष श्रीवास्तव, चंबल संभाग के कमिश्नर सुरेश कुमार, शिवपुरी कलेक्टर रविंद्र चौधरी और शहडोल कलेक्टर केदार सिंह भी 2026 में रिटायरमेंट की सूची में हैं। इसके साथ ही शिक्षा, खनिज, राजस्व, आयुष और लोकायुक्त जैसे विभागों से जुड़े वरिष्ठ आईएएस अधिकारी भी सेवा से बाहर होंगे।

यह आईएएस होंगे सेवानिवृत्त

सितंबर में- मुख्य सचिव अनुराग जैन, अलका उपाध्याय, आशीष श्रीवास्तव, स्मिता भारद्वाज, उमाकांत उमराव, अरुणा गुप्ता, माल सिंह भयडिया, उर्मिला शुक्ला, ललित दाहिमा, सुरेश कुमार, चंद्रशेखर वालिम्बे, रविंद्र कुमार चौधरी, संजय कुमार, संजय कुमार मिश्रा, केदार सिंह और जीएस धुर्वे शामिल हैं।

इसमें डीजीपी कैलाश मकवाना, अजय कुमार शर्मा, आलोक रंजन, सोनाली मिश्रा, संजीव समी, आशुतोष राय, ए साई मनोजर, संजय तिवारी, अंशुमान सिंह, अरविंद सक्सेना, हिमानी खन्ना, मिथिलेस शुक्ला, शशिकांत शुक्ला, महेश चंद्र जैन, सविता सोहाने और जगदीश डावर शामिल हैं।

चीफ जस्टिस और 6 अन्य जज का भी इसी साल रिटायरमेंट

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में आने वाले समय में जजों की संख्या को लेकर गंभीर स्थिति बन सकती है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा आगामी 25 दिसंबर 2026 को सेवानिवृत्त होंगे। उनके साथ ही इसी वर्ष हाईकोर्ट के सात अन्य जज भी रिटायर होने जा रहे हैं। यदि इस दौरान नई नियुक्तियां नहीं हुईं तो हाईकोर्ट में जजों की संख्या घटकर महज 35 रह जाएंगी। वर्तमान में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में 42 जज पदस्थ हैं, जबकि स्वीकृत पदों की कुल संख्या 53 है। पहले से ही 11 पद रिक्त हैं और रिटायरमेंट के बाद यह अंतर और बढ़ने की आशंका है। इधर, हाईकोर्ट में लंबित मामलों का बोझ लगातार बढ़ रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2025 तक पेंडिंग मुकदमों की संख्या 4 लाख 82 हजार 747 तक पहुंच चुकी है।

कौन कब होगा रिटायर

जस्टिस अनिल वर्मा 15 मार्च
जस्टिस हिरदेश 27 मई
जस्टिस बीके द्विवेदी 14 जून
जस्टिस विजय कुमार शुक्ला 27 जून
जस्टिस अवनीन्द्र कुमार सिंह 17 सितंबर
जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल 8 नवंबर

जजों की कमी से प्रभावित होगा काम

जजों की कमी के चलते मामलों के निराकरण की गति प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। कानूनी जानकारों का मानना है कि समय रहते नई नियुक्तियां नहीं की गईं, तो न्यायिक प्रक्रिया पर इसका सीधा असर पड़ेगा और आम लोगों को न्याय के लिए और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है।

नए साल का ऐसा जश्न

पूरी शाखा खाली, रिकॉर्ड-दस्तावेज भगवान भरोसे

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में पहले दिन यह हाल, चंद कर्मचारी ही मिले

पंजीयन शाखा में बड़ी तादाद में रिकार्ड छोड़कर चला गया पूरा स्टाफ

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

नए साल के स्वागत के लिए हर कोई उत्साहित है, लेकिन सरकारी दफ्तर में जश्न का ऐसा असर होगा यह नहीं पता था। यहां बात हो रही है हुरावली पहाड़ी स्थित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय की, जहां साल के पहले दिन पूरा स्टाफ गायब जैसा दिखा। यहां एक पंजीयन शाखा भी है जिसके ऐसे हाल थे कि कोई भी रिकार्ड या दस्तावेजों की पोटली उठाकर ले जाए तो कोई देखने वाला ही नहीं है। यह हद दर्जे की बेपरवाही है कि सरकारी दफ्तर में ड्यूटी करने वाला स्टाफ ही ऑफिस छोड़कर गायब है।

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में गुरुवार की दोपहर की हालत नईदुनिया टीम ने जांची तो पूरे आफिस में ढूंढे कर्मचारी नहीं मिल रहे थे। दोपहर में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विक्रमजीत सिंह कंग नहीं थे। पंजीयन की शाखा जिसमें घुसते ही सजल पांडेय का नाम घुसते ही लिखा था, उस चैंबर में ताला डला था। लाइसेंस शाखा में कर्मचारी आपस मे बातें कर रहे थे और कैश गिन रहे थे। सरकारी दफ्तरों का नाम सुनते ही दिल-दिमाग में जैसी तस्वीर आम आदमी के मन मे बनती है, वैसा ही क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय का हाल मिला। यहां गुरुवार को वर्किंग डे है ऐसा लग ही नहीं रहा था। कुछ आवेदक भी घूम रहे थे, लेकिन उन्हें कोई स्टाफ ही नहीं मिल रहा था।

पंजीयन शाखा में रखे थे अहम दस्तावेज

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय की पंजीयन शाखा में घुसते ही उल्टे हाथ पर कक्ष बना है, जिसपर सजल पांडेय सहायक वर्ग-तीन लिखा हुआ था, इसके बाद आगे दो और कर्मचारियों की कुर्सी थी। यहां भारी मात्रा में रिकार्ड रखा था, रजिस्टर व महत्वपूर्ण चीजें थीं, लेकिन पूरी शाखा से स्टाफ गायब था। सजल पांडेय के कक्ष में ताला था। पास के कक्ष में पूछा गया कि सजल पांडेय सहित अन्य लोग कहां हैं, कोई बता नहीं सका।

लाइसेंस शाखा: पेमेंट गिनने में लगे थे कर्मचारी

लाइसेंस शाखा में दो-तीन कर्मचारी घूम रहे थे और कुछ सीट खाली थीं। यहां एक कर्मचारी बार-बार घूम रहा था और वह दो लोगों के पास आया और फिर किसी पेमेंट यानी 500-500 के नोटों को गिना जा रहा था। यह कैश किस चीज के लिए था, पता नहीं।

सवाल: नगरानी करने वाले क्या कर रहे हैं

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में कर्मचारी गायब हैं, अधिकारियों का भी पता नहीं। सामने परिवहन मुख्यालय है लेकिन तब भी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के कर्मचारियों को डर नहीं है। पूरी शाखा भगवान भरोसे छोड़ रखी है। ऐसे में निगरानी करने वाले वरिष्ठ अधिकारी क्या कर रहे हैं, यह भी भगवान ही भरोसे है।

डीजीपी ने भारतीय पुलिस सेवा के पदोन्नत अधिकारियों को लगाई रैंक

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश शासन गृह विभाग द्वारा भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों को पदोन्नत किया गया है। इसी अनुक्रम में पुलिस मुख्यालय, भोपाल में डीजीपी श्री कैलाश मकवाणा ने पदोन्नत अधिकारियों को रैंक लगाई। इस दौरान डीजीपी मकवाणा ने सभी पदोन्नत अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पदोन्नति आपकी समर्पित और निष्ठापूर्ण सेवा का प्रतिफल है। प्रदेश में कानून एवं शांति व्यवस्था बरकरार रखने में आपने उत्कृष्ट कार्य किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप प्रदेश की प्रगति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय देंगे। आप अपनी कार्यप्रणाली को ऐसा रखें कि वह अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बने। उन्होंने कहा कि समय पर पदोन्नति प्रदान की जाना सदैव सरकार की प्राथमिकता रही है, इसका परिपालन करते हुए मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारियों को पदोन्नत किया गया है।

चीता प्रोजेक्ट को नई उड़ान, 2026 बनेगा चीतों की नई पीढ़ी का ऐतिहासिक साल

श्योपुर, दोपहर मेट्रो

कूनो नेशनल पार्क में चल रहा बहुप्रतीक्षित चीता प्रोजेक्ट अब एक नई और ऐतिहासिक दिशा में बढ़ता नजर आ रहा है। पिछले तीन वर्षों में कई उतार-चढ़ाव देखने वाले इस प्रोजेक्ट के लिए वर्ष 2026 नई पीढ़ी के भारतीय चीतों का वर्ष साबित होने जा रहा है। हाल ही में जारी तस्वीरों में मादा चीता निर्वा के दो शावक पेड़ की डालियों पर अठखेलियां करते दिखाई दे रहे हैं। ये दृश्य न केवल रोमांचक हैं, बल्कि कूनो में चीतों के सुरक्षित भविष्य की मजबूत उम्मीद भी जगाते हैं।

बताया जा रहा है कि 27 अप्रैल 2025 को निर्वा ने पांच शावकों को

जन्म दिया था, जिनमें से दुर्भाग्यवश दो की मृत्यु हो गई, जबकि तीन शावक पूरी तरह स्वस्थ हैं। अब ये शावक करीब 11 महीने के हो चुके हैं और खुले जंगल में जीवन के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। कूनो प्रबंधन के अनुसार वर्ष 2026 में इन्हें खुले जंगल में छोड़े जाने की योजना है, जो चीता प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी। नववर्ष की पूर्व संध्या पर कूनो प्रबंधन ने चीतों की कुछ दुर्लभ और आकर्षक तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें निर्वा के ये शावक विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

वर्तमान में कूनो नेशनल पार्क में कुल 27 चीते हैं, जिनमें 19 भारतीय और 8 विदेशी चीते शामिल हैं। वहीं जनवरी 2026 में बोत्सवाना से 8 और चीते लाए जाने प्रस्तावित हैं, जिसके बाद कूनो में चीतों की संख्या बढ़कर 35 हो जाएगी। स्पष्ट है कि कूनो नेशनल पार्क अब केवल चीता पुनर्वास का केंद्र नहीं, बल्कि भारत में चीतों की नई पीढ़ी के भविष्य का गढ़ बनता जा रहा है।

2028 के सिंहस्थ में बेहतर प्रबंधन के लिए बनाया जाएगा मेला प्राधिकरण

अधिनियम में संशोधन की हो रही तैयारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

2028 में होने वाले उज्जैन सिंहस्थ की व्यवस्थाओं को चाकचौबंद करने के लिए सरकार स्थानीय अधिकारियों को अधिक अधिकार संपन्न बनाएगी। इसके लिए सिंहस्थ मेला अधिनियम-1955 में संशोधन की तैयारी है। संशोधन के लिए उत्तर प्रदेश के प्रयागराज मेला अधिनियम के प्रविधान का अध्ययन कराने के साथ अधिकारियों के अलग-अलग दल भेजकर कुंभ की व्यवस्थाओं को दिखवाया गया।

इसके आधार पर तय किया गया है कि उज्जैन मेला प्राधिकरण बनाया जाएगा, जो केवल मेला क्षेत्र से जुड़े कामों को देखेगा। मध्य प्रदेश नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत आने वाले ग्राम तथा नगर निवेश संचालनालय द्वारा सिंहस्थ मेला अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि प्रयागराज में होने वाले मेलों का प्रबंधन मेला प्राधिकरण करता है। इसमें आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर, मेला अधिकारी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी और अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी रहते हैं। ठीक इसी तरह से सिंहस्थ मेला प्राधिकरण बनाया जाएगा। इसके अध्यक्ष मुख्यमंत्री रहेंगे। प्रशासन, नगर निगम, पुलिस, स्वास्थ्य, जल संसाधन, बिजली, परिवहन समेत तमाम विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को शामिल किया जाएगा।

नगरीय विकास और पुलिस अधिकारियों ने किया था दौरा

सिंहस्थ की व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने नगरीय विकास और पुलिस के अधिकारियों को प्रयागराज कुंभ भेजा था। टीम ने वहां भीड़ प्रबंधन, यातायात और सुरक्षा व्यवस्था में तकनीक का उपयोग, शाही स्थान, स्वास्थ्य, भोजन सहित अन्य व्यवस्थाओं को देखा। इसके आधार सभी संबंधित विभाग अपनी-अपनी कार्य योजना तैयार कर रहे हैं। भीड़, यातायात, आपदा प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था आदि के लिए 60 हजार से अधिक पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

ग्वालियर में साइबर ठगी का नया तरीका...

न कॉल न ओटीपी, कोल इंडिया के पूर्व अधिकारी के खाते से उड़ाए 5 लाख

ग्वालियर। कोल इंडिया के पूर्व अधिकारी से पांच लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। उनके पास न तो कोई कॉल आया, न ही किसी ने ओटीपी पूछा। मोबाइल पर भी ओटीपी नहीं आया। उनके मोबाइल पर खाते से रुपये निकलने के मैसेज आए, तब ठगी का पता लगा। इसके बाद उन्होंने तुरंत खाता ब्लॉक कराया और फिर साइबर हेल्पलाइन के जरिए शिकायत की, जिस पर ई-जीरो एफआईआर दर्ज की गई है।

मुरार क्षेत्र में रहने वाले रमेश सिंह भदौरिया कोल इंडिया सिंगरौली में काम करते थे। यहाँ से रिटायर होने के बाद ग्वालियर में घर बनाकर रहते हैं। दो दिन पहले उनके मोबाइल पर बैंक खाते से अलग-अलग बार में पांच लाख रुपये निकलने के मैसेज आए। सबसे पहले उन्होंने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा पर पहुंचकर शिकायत की और अपना खाता ब्लॉक कराया। इसके बाद साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल किया। अब मुरार थाना पुलिस इस मामले की विवेचना कर रही है। प्रारंभिक पड़ताल में सामने आया है कि उनके खाते से जो रकम निकाली गई है, वह लुधियाना में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शाखा के ही एक खाते में गई है। दो लाख रुपये का ट्रांजैक्शन और होने वाला था, लेकिन इससे पहले ही खाता ब्लॉक हो गया और दो लाख रुपये का ट्रांजैक्शन फेल हो गया।

मेट्रो एंकर

किसानों को बिजली बिल से मुक्ति दिलाने हो रही कोशिश

मप्र में 52 हजार खेतों में लगेंगे सोलर पंप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में किसानों को ऊर्जा और सिंचाई की दोहरी सुरक्षा देने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री कुसुम-बी योजना (प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना) के तहत प्रदेश के 52 हजार किसानों के खेतों में सोलर पंप लगाए जा रहे हैं। इसमें मंदसौर, नीमच और शाजापुर जैसे कृषि प्रधान जिले फोकस में हैं, जहां सोलर पंप से खेती की तस्वीर बदलने की तैयारी है। साथ ही, बैतूल, भिंड, सागर, जबलपुर, अशोकनगर, भोपाल एवं सीहोर जिलों में सोलर पंप लगाने का काम शुरू हो चुका है। अब तक 34,600 सोलर पंप इकाइयों को लेटर ऑफ अवार्ड और 33 हजार किसानों को कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं।

लागत में कमी और अतिरिक्त आय का अवसर- सोलर पंप लगने के बाद किसानों को सिंचाई के लिए बिजली बिल नहीं देना होगा। इससे उनकी लागत घटेगी और बचत बढ़ेगी। इतना ही नहीं, जरूरत से ज्यादा उत्पादित सौर ऊर्जा को सरकार को बेचकर किसान अतिरिक्त आय भी कमा सकेंगे। इससे किसानों को सिंचाई के लिए स्थायी और भरोसेमंद ऊर्जा स्रोत मिलेगा, साथ ही बिजली कटौती और अनियमित आपूर्ति से मुक्ति मिलेगी। खेती की लागत में कमी आने से उत्पादन और आय में वृद्धि होगी और किसान ऊर्जा दाता बन सकेंगे।

योजना की सबसे बड़ी शर्त- योजना के तहत किसान को सोलर पंप का लाभ इस शर्त पर दिया जाएगा कि जिस खसरा या बटांकित खसरे की कृषि भूमि पर सोलर पंप लगाया जाएगा, वहां भविष्य में विद्युत पंप लगाए जाने की स्थिति में बिजली आपूर्ति पर कोई अनुदान नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही किसान को स्वप्रमाणीकरण देना होगा कि संबंधित खसरा या उक्त भूमि पर वर्तमान में कोई विद्युत पंप संचालित या संयोजित नहीं है। योजना के अंतर्गत एक एचपी से 7.5 एचपी तक के सोलर पंप पर 90त्न तक अनुदान का प्रावधान है। इसमें 30 प्रतिशत अनुदान केंद्र सरकार से मिलेगा, जबकि किसान का अंशदान लगभग 10 प्रतिशत होगा। शेष 60 प्रतिशत राशि ऋण के रूप में होगी, जिसका ब्याज सहित भुगतान राज्य सरकार करेगी। अन्य प्रमुख बातों में सोलर पंपों का पांच साल तक रखरखाव संबंधित एजेंसी करेगी और यूएसपीसी युक्त तथा सामान्य सोलर पंप, दोनों पर समान अनुदान देय होगा।

आवेदन प्रक्रिया

पंजीकरण: किसान को सबसे पहले निर्धारित पोर्टल cmsolarpump.mp.gov.in पर पंजीकरण करना होगा।
आवेदन करें: पंजीकरण के बाद आवश्यक जानकारी और दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन आवेदन करना होगा।
विभागीय स्वीकृति: आवेदन की जांच के बाद संबंधित विभाग द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाएगी।
स्थापना: स्वीकृति मिलने के बाद किसान के खेत में सोलर पंप की स्थापना की जाएगी।

स्विट्जरलैंड हादसे से भारत के लिए सीख

नए साल का जश्न आमतौर पर उम्मीद, उल्लास और नई शुरुआत का प्रतीक होता है। लेकिन, स्विट्जरलैंड के क्रांस मोंटाना के एक प्रसिद्ध स्की रिजॉर्ट में हुए हादसे ने जश्न को त्रासदी में बदल दिया है। भीषण आग ने सैकड़ों परिवारों को वर्ष के पहले दिन ही ऐसी पीड़ा दी, जिसे वे कभी भुला नहीं पाएंगे। काफी समय तक तक इस हादसे को लेकर बहुत कुछ संशय में था। नहीं पता कि आग कैसे लगी, कितने लोग मारे गए, मौके पर कितने मौजूद थे और मरने वालों की पहचान क्या है। जांच अधिकारियों के बयानों से लगता है कि इसमें अभी लंबा समय लगेगा। शुरुआत में इसे आतंकी वारदात भी माना जा रहा था, लेकिन अधिकारियों ने इससे इनकार किया है। फिर भी इतना बड़ा हादसा कई सवाल छोड़ जाता है। यह घटना बताती है कि भीड़भाड़ वाले टूरिस्ट स्पॉट्स पर सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन की कितनी सख्त जरूरत है। पिछले महीने गोवा के एक नाइट क्लब में लगी आग में कई लोगों की मौत हो गई थी। वहां लोगों को बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं मिला और ऐसा ही कुछ क्रांस मोंटाना में भी सामने आ रहा है। आग इतनी तेजी से फैली कि बचाव का मौका नहीं मिल पाया।

जांच आगे बढ़ने पर कई और बातें पता चलेंगी, लेकिन यह घटना बताती है कि पर्यटन स्थलों पर छोटी-सी चूक भी कितनी भारी पड़ सकती है। बताया जा रहा है कि बार की क्षमता 300 थी और हादसे के समय वह फुल था। मौके पर अगर पर्याप्त सुरक्षा उपाय होते, भीड़ को नियंत्रित किया जाता और क्षमता के अनुसार लोगों की ही एंट्री होती, तो शायद इतना नुकसान होने से रोका जा सकता था। क्रांस मोंटाना हो या दुनिया का कोई और शहर - ये हादसे सभी के लिए सबक हैं। पर्यटन उद्योग में अक्सर मौकों को भुनाने की होड़ लगी रहती है। क्रिसमस से लेकर न्यू ईयर तक - कमाई का एक बढ़िया सीजन है। लेकिन, इसके साथ ही पर्यटकों की सुरक्षा के लिए भी निवेश किए जाने की जरूरत है।जांच और उसके बाद एक्शन, यह तो होना ही है, पर इससे भी ज्यादा जरूरी है कमियों का उजागर होना और उनसे सीखना। सही सीख लेकर ही उम्मीद कर सकते हैं कि फिर ऐसी दर्दनाक खबर से वास्ता नहीं पड़ेगा।

हिंदुओं और भारत के खिलाफ लगातार पश्चिमी देशों में भरा जा रहा नस्लवादी जहर

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल
स्तंभकार

श्री राम कृष्णन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर व्हाइट हाउस का सीनियर पॉलिसी एडवाइजर नियुक्त किए जाने और विवेक रामास्वामी के 26 दिसंबर, 2024 को एक्स पर पोस्ट करने के बाद, जब वे डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी (DOGE) के लीडर के तौर पर अपने छोटे से कार्यकाल में थे, तो प्लेटफॉर्म पर भारत विरोधी नफरत में काफी बढ़ोतरी देखी गई। जनवरी 2025 में सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ ऑर्गेनाइज्ड हेट ने X पर भारत विरोधी नस्लवाद पर एक रिपोर्ट जारी की। तब से, इस बात का कोई खास संकेत नहीं मिला है कि एक्स सहित सोशल मीडिया पर भारत विरोधी पूर्वाग्रह कम हुआ है। इस रिपोर्ट में एक्स पर भारत विरोधी नस्लवाद के मौजूदा स्तर का विश्लेषण किया गया है। यह भारत विरोधी भावना में बढ़ोतरी का विश्लेषण करती है, भारत विरोधी नस्लवादी बातचीत में मुख्य विषयों और कहानियों को बताती है और उन पोस्ट और मुद्दों पर प्रकाश डालती है जिनका उल्लेखनीय प्रभाव और पहुंच रही है।

एक्स पर 680 ज़्यादा एंगेजमेंट वाली भारत विरोधी नस्लवादी पोस्ट को 1 जुलाई से 7 सितंबर, 2025 के बीच 281.2 मिलियन व्यूज़ मिले। भारतीयों को 'हमलावर' और 'नौकरी चोर' बताने वाली कहानियों के साथ-साथ भारतीयों को देश से निकालने की मांगों वाली 474 पोस्ट (69.7%) और 111.8 मिलियन व्यूज़ मिले, जिससे इमिग्रेशन और निष्कासन से जुड़ी बातें एंगेजमेंट का मुख्य कारण बन गईं। HB असंतोष और नौकरी चोरी की बातें मुख्य समूह में प्रमुख थीं, जोज़ेनोफ़ोबिया को आर्थिक असुरक्षा के साथ मिला रही थीं और भारतीयों पर वीज़ाप्रतिबंध, इनकार, निर्वासन और नागरिकता रद्द करने की मांगों को बढ़ा रही थीं। 121 पोस्ट (17.8%) में भारत विरोधी अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया और उन्हें 74.3 मिलियन व्यूज़ मिले। 12 अगस्त को फ्लोरिडा में एक सिख ड्राइवर से जुड़े ट्रक दुर्घटना संबंधी 74 पोस्ट (10.9%) को 94.9 मिलियन व्यूज़ मिले, जिससे पता चलता है कि कैसे एक ही घटना का इस्तेमाल पूरे समुदाय को पेशे के आधार पर बलि का बकरा बनाकर बदनाम करने के लिए किया जाता है।

अगस्त 2025 में गतिविधि चरम पर थी, जिसमें 381 पोस्ट और 189.9 मिलियन व्यूज़ थे। अमेरिका-भारत टैरिफ विवाद और घटना-आधारित गुस्सा कहानियों में बढ़ोतरी के साथ मेल खाता था, जो दर्शाता है कि नीतिगत तनाव और ब्रेकिंग न्यूज़ नस्लवादी सामग्री को बढ़ाने वाले अनुमानित कारक के रूप में काम करते हैं। लगभग 65% पोस्ट यूएस पर केंद्रित थे, जिससे यह कन्फर्म होता है कि स्टडी के दौरान यूएस ही भारत विरोधी डिजिटल नस्लवाद का केंद्र था।

हिंदुओं और भारत के प्रति इतनी नफ़रत क्यों?: असल में, वे भारत से नफ़रत नहीं करते बल्कि यह एक औपनिवेशिक मानसिकता और विकासशील देशों के प्रति पूर्वाग्रह है। यह उनके प्रभुत्व और भारत के अपनी पुरानी शान में लौटने के लिए खतरा पैदा करता है। पश्चिमी मीडिया और सत्ता संरचनाओं में कई लोगों के लिए भारत सिर्फ़ हिंसा, पूर्वाग्रह, गरीबी और सामाजिक अशांति का प्रतीक हो सकता है। इतना ही नहीं, बल्कि औपनिवेशिक सोच वाले भारतीय बुद्धिजीवी भी ऐसे ही हैं। हिंदूफोबिया और हिंदू विरोधी नफ़रत कई अलग-अलग रूप ले सकती है, जानबूझकर और अनजाने में भी। उदाहरण के लिए, छठी कक्षा के छात्र को मूर्ति पूजक कहा जा सकता है और उसे अपनी क्लास से अलग-थलग महसूस कराया जा सकता है; एक दक्षिण एशियाई प्रोफेसर एक कॉलेज छात्र को हिंदू विरासत का छात्र होने के लिए निशाना बना सकता है और उसे शर्मिंदा कर सकता है; एक चुने हुए अधिकारी पर अमेरिका-भारत संबंधों पर उसकी स्थिति के कारण दोहरी वफ़ादारी का आरोप लगाया जा सकता है और उसके साथ दोहरा मापदंड अपनाया जा सकता है या एक हिंदू अमेरिकी को उसी कारण से नाज़ी समर्थक कहा जा सकता है।

प्यू रिसर्च सेंटर के एक एनालिसिस के अनुसार, दुनिया भर में सभी प्रवासियों में 47% ईसाई है, उसके बाद मुस्लिम (29%), हिंदू (5%), बौद्ध (4%), और यहूदी (1%) है। दुनिया के 1 अरब हिंदुओं में से सिर्फ 5% विदेशी प्रवासी हैं। प्यू रिसर्च स्टेफ़नी क्रैमर के अनुसार, इसका कारण यह है कि 'हिंदू भारत में बहुत ज़्यादा केंद्रित हैं और भारत में पैदा हुए लोगों के देश छोड़ने की संभावना बहुत कम है।' हिंदू धर्म के विपरीत, पश्चिमी बुद्धिजीवी भारत के उदय से डरने के बजाय उससे नाराज़ हैं। भारत की समृद्धि पश्चिमी हिंदू विरोधी लोगों को परेशान करती है, ठीक वैसे ही जैसे इज़राइल की सफलता पश्चिमी यहूदी विरोधी लोगों को परेशान करती है। हिंदुओं की बहुसंख्यक आबादी वाले एक शक्तिशाली, स्वतंत्र राष्ट्र की अवधारणा उनके लिए अस्वीकार्य है। जैसा कि उनके पूर्वजों ने सदियों पहले किया था, वे भारत को कमज़ोर और गरीब रखना ज़्यादा पसंद करेंगे। इसलिए, पश्चिमी हिंदू विरोधी लोगों के उद्देश्य कई भारतीय बुद्धिजीवियों के साथ-साथ भारत विरोधी इस्लामवादियों के उद्देश्यों से भी मिलते हैं। ऐसा इसलिए नहीं है कि भारतीय बुद्धिजीवी भारत विरोधी या हिंदू विरोधी हैं। इसका कारण यह है कि कई भारतीय बुद्धिजीवी उस धर्मनिरपेक्ष, कम्युनिस्ट और कमजोर भारत की कामना करते हैं जो हिंदू विरोधी लोग चाहते हैं। यह भी मज़ेदार है कि ईसाई वर्चस्ववादी इस बात पर ज़ोर-शोर से शिकायत करते हैं कि हिंदू उनकी नौकरियाँ, ज़मीन और दूसरी चीज़ों पर 'कब्ज़ा कर रहे हैं', जबकि वे अमेरिकी ईसाई मिशनरियों के बारे में चुप रहते हैं जो टूरिस्ट वीज़ा पर भारत में घुसते हैं और वित्तीय प्रलोभन और चमत्कारिक रूप से बीमारियों को ठीक करने के बहाने हिंदुओं, सिखों, आदिवासी लोगों और अन्य समुदायों को ईसाई धर्म में परिवर्तित करते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

अंजेल चकमा की हत्या... हमारे देश को कहां ले जाएंगे ये नफरती संस्कार

निर्मल रानी
स्तंभकार

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में गत 9 दिसंबर को कुछ स्थानीय युवकों द्वारा अगरतला (त्रिपुरा) के निवासी 24 वर्षीय अंजेल चकमा नामक एक छात्र पर जानलेवा हमला किया गया। हमले के बाद 17 दिनों तक अस्पताल में इलाजरत रहने के बाद गत 26 दिसंबर को आख़िरकार उसकी मृत्यु हो गई। चकमा, देहरादून स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में एमबीए अंतिम वर्ष के छात्र थे। ख़बरों के अनुसार देहरादून में अंजेल चकमा की मौत एक कथित नस्लीय हमले के कारण हुई। बताया जाता है कि 9 दिसंबर को जब अंजेल और उनके 21 वर्षीय छोटे भाई माइकल चकमा पास के सेलाकुई इलाक़े में किराने का सामान ख़रीदने गए थे उसी समय उनके चेहरों को देखकर हमलावरों ने उन्हें नस्ली गालियां दीं। बताया जाता है कि घटनास्थल पर क़रीब छह लोगों का एक समूह, जो पास में ही पहले से किसी के जन्मदिन का जश्न मना रहा था, ने उन्हें रोक लिया। हमलावरों ने उनपर नस्ली टिप्पणियां करते हुये उनपर चिंकी, चीनी और मोमो जैसी टिप्पणी की। जबकि एक आरोपी ने कहा कि ओये चीनी, क्या सूअर का मांस ख़रीदने आए हो ? माइकल ने इसका विरोध किया, तो एक आरोपी ने उन्हें ब्रेसलेट से सिर पर मारा। अंजेल ने अपने भाई की रक्षा करने की कोशिश की और शांतिपूर्वक कहा, हम चीनी नहीं हैं... हम भारतीय हैं। क्या प्रमाण-पत्र दिखाएं कि हम भारतीय हैं? लेकिन नफ़रती संस्कारों में डूबे गुंडों के इस समूह ने हिंसक रूप से उनपर हमला कर दिया। यज्ञ अवस्थी नामक मुख्य आरोपी ने अंजेल की गर्दन और पीठ पर तेज़ हथियार से वार किया, जिससे वे गिर पड़े। माइकल भी घायल हुए, लेकिन उन्होंने अंजेल को पास के अस्पताल पहुंचाया। अंजेल की हालत गंभीर थी–उनकी गर्दन और स्पाइन में गहरी चोटें थीं– आख़िरकार वे कभी पूर्ण चेतना में वापस नहीं आए और नफ़रत के सौदागरों ने एक होनहार भारतीय छात्र की हत्या कर उसके परिवार को अंधकार में धकेल दिया। निश्चित रूप से इस घटना ने उत्तर-पूर्वी राज्यों के छात्रों के ख़िलाफ़ उपजी नस्लवाद की समस्या को फिर से उजागर कर दिया है। इस घटना को लेकर त्रिपुरा सहित देश के विभिन्न राज्यों व शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

हालांकि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य के विकास को लेकर तरह तरह की बातें करते रहते हैं, परन्तु हक़ीक़त यही है कि गत कुछ वर्षों में इसी देव् भूमि में सत्ता संरक्षित धर्म जाति आधारित नफ़रती घटनाओं में भी काफ़ी बढ़ोतरी हुई है। उदाहरण के तौर पर अक्टूबर 2023 में उत्तराखंड के पुरोला क़स्बे में एक 14 वर्षीय लड़की के अपहरण के बाद लव जिहाद का आरोप लगाकर हिंदू-मुस्लिम दंगे भड़काये गये। मुस्लिम मकानों व दुकानों पर लक्षित हमले किये गये, कई परिवार शहर छोड़कर भागने को मजबूर हुये। इसी तरह हल्द्वानी में 2024 की बनभूलपुरा में अवैध मदरसे और मस्जिद के विध्वंस पर पथराव, आगज़नी और पेट्रोल बम फेंके जाने की घटना सबसे प्रमुख रही, जहां 6 लोगों की मौतें हुईं। 2025 में भी कश्मीरपुर और हल्द्वानी में साम्प्रदायिक तनाव देखा गया। राज्य में दलितों के विरुद्ध भी अनेक घटनायें होती रहती हैं। परन्तु समाज में धर्म जाति व क्षेत्र के नाम पर बढ़ती नफ़रतों के बीच इस राज्य को देव् भूमि के रूप में भी प्रचारित किया जाता है।

सवाल यह है कि उत्तराखंड जैसे शांतिप्रिय राज्य सहित देश के अन्य विभिन्न राज्यों में इस तरह के नफ़रत व हिंसा पैदा करने वाले हालात क्या अचानक पैदा हुए हैं या सत्ता के संरक्षण में इन नफ़रती संस्कारों को पोषित किया जा रहा है? उत्तराखंड की घटना के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा दिये गये बयान से यह काफ़ी कुछ स्पष्ट हो जाता है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की हत्या पर दुख व्यक्त करते हुये कहा कि पूर्वोत्तर के लोगों के ख़िलाफ़ ऐसी घटनाएं अलग-थलग नहीं हैं और समाज को भेदभाव रोकने के लिए एकजुट होना चाहिए। हम लोगों को इसके ख़िलाफ़ आवाज़ उठानी होगी। हमें मिलकर भेदभाव को रोकना होगा। भारत के किसी भी हिस्से के लोगों को हर जगह सुरक्षित महसूस करना चाहिए। उनकी मृत्यु बेहद दुखद है। किरेन रिजिजू ने यह भी कहा कि देहरादून में एंजेल चकमा और उनके भाई माइकल के साथ जो हुआ, वह एक भयावह घृणा अपराध है। उन्होंने आगे यह भी कहा कि ऐसी नफ़रत रातों रात पैदा नहीं होती। वर्षों से इसे रोज़ाना, ख़ासकर हमारे युवाओं को, ज़हरीली सामग्री और ग़ैर -ज़िम्मेदाराना ख़बरों के माध्यम से बढ़ावा दिया जा रहा है। किसी का भी मज़ाक़ नहीं उड़ाया जाना चाहिए। कोई भी घटना देश के लिए दुखद घटना होती है। अगर देश में ऐसी कोई भी घटना होती है तो पूरे समाज को मिलकर उसके ख़िलाफ़ लड़ना चाहिए। वहीं, राहुल गांधी ने भी इस मुद्दे पर अपनी टिप्पणी में कहा कि हम प्रेम और विविधता का देश हैं। हमें ऐसा समाज नहीं बनना चाहिए जो साथी भारतीयों को निशाना बनाए जाने पर अनदेखी करे। हमें यह सोचने और सामना करने की ज़रूरत है कि हम अपने देश को क्या बनने दे रहे हैं?

अफ़सोस की बात तो यह कि केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा उत्तराखंड की घटना के बाद व्यक्त किये गये विचार उस समय सामने आये जब उनके अपने पूर्वोत्तर राज्य त्रिपुरा के छात्र अंजेल चकमा की नस्लवादी नफ़रती लोगों द्वारा हत्या कर दी गयी ? जबकि लगभग एक दशक से देश में जगह जगह अल्पसंख्यकों,दलितों व पिछड़े वर्ग के लोगों को निशाना बनाया जाता रहा है। लिंचिंग की घटनायें घटित हो रही हैं। जगह जगह उन्मादी भीड़ पुलिस की शह पर वर्ग विशेष के लोगों को निशाना बनाती रही है। जगह जगह उकसाऊ भाषण हो रहे हैं। कहीं हथियार बांटे जा रहे हैं। तो कहीं संवैधानिक पदों पर बैठे लोग स्वयं अपने ज़हरीले बोलों से समाज में हिंसा व नफरत बढ़ा रहे हैं। निःसंदेह गोदी मीडिया भी इस नफ़रती वातावरण को और भी ज़हरीला बना रहा है। ऐसे में रिजिजू की चिंताओं के अनुसार भारत के किसी भी हिस्से के लोगों का स्वयं को हर जगह सुरक्षित महसूस करना कहां संभव हो पा रहा है? इस समय देश के समक्ष सबसे बड़ी चिंता इस बात की है कि आख़िर देश को कहाँ ले जायेंगे ये नफ़रती संस्कार?

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

विशेषज्ञ की सलाह... चूर्ण से बचें, तीन फल दिला देंगे कब्ज से छुटकारा

कब्ज पेट की एक गंभीर समस्या है, जो आगे चलकर बवासीर बन सकती है। इससे राहत पाने के लिए लोग चूर्ण का इस्तेमाल करने लगते हैं। लेकिन न्यूट्रिशनिस्ट ने कहा कि किसी भी चूर्ण की जगह आप तीन फल खाकर कॉन्स्टिपेशन को कम कर सकते हैं।

अगर आपका पेट ढंग से साफ नहीं होता है या फिर मल निकालने के लिए बहुत जोर लगाना पड़ता है तो कॉन्स्टिपेशन हो सकती है। कब्ज जितनी आम समस्या है, उतनी ही खतरनाक साबित हो सकती है। इसलिए इसे कभी भी इग्नोर करने की गलती ना करें। इससे छुटकारा पाने के लिए लोग देसी चूर्ण का इस्तेमाल करते हैं। किसी भी चूर्ण को ऐसे ही खा लेना नुकसानदायक भी हो सकता है। लेकिन अगर आपको कब्ज खत्म करने वाले 3 फल के बारे में बताया जाए तो यह काफी सेफ तरीका हो सकता है। क्योंकि फल एक नेचुरल फूड है, जिसे खाने से नुकसान होने का खतरा ना के बराबर होता है। न्यूट्रिशनिस्ट सलोनी ने कहा कि कब्ज है तो चूर्ण मत लेना, उसकी जगह ये तीन फल खाना।

कीवी: पहला फल कीवी है, जिसमें actinidin नाम का एक नेचुरल एंजाइम होता है। जो हमारे डायजेशन प्रोसेस को तेज करता है। इसमें सॉल्यूबल फाइबर भी होता है, जो हमारे स्टूल को मुलायम बनाता है। जिससे यह आंतों से आराम से गुजरकर निकल जाता है।

अमरूद : न्यूट्रिशनिस्ट ने अमरूद को अपना भी फेवरेट बताया है। अमरूद में सॉल्यूबल फाइबर भरभरकर होता है। जो हमारी इंटेस्टाइन की मूवमेंट को आसान बना देता है। न्यूट्रिशनिस्ट ने इसके सीड्स ना फेंकने की सलाह दी है और बीजों के साथ खाना के लिए कहा है।

पपीता: पपीते के अंदर एक डाइजेस्टिव एंजाइम होता है, जिसे papain कहते हैं। जो हमारे फूड के डायजेशन को काफी सुधारता है। इसमें भर भरकर सॉल्यूबल फाइबर और वॉटर कंटेंट होता है। जो हमारे मल को मुलायम बनाता है और ड्राईनेस से भी बचाता है।

सुविचार

'दिखावे की दुनिया है साहब, जहां फ़ायदा दिखेगा वहां जाएगी !'

- अज्ञात

निशाना

आदमी की कीमतें..!

महेश अग्रवाल

जिंदगी से जब जरा परिचय हुआ
कब कहां कैसे मिलेंगे तय हुआ
मुस्कुराहट दे के अश्रु ले लिए
भावना का इस तरह विनिमय हुआ
धो लिये हैं पाप गंगा में सभी
आज तक जिनका कहीं संचय हुआ
आदमी की कीमतें घटती गईं
कब किसे इस बात पर विस्मय हुआ
एक दूजे से किया संवाद भी
जब किसी भी बात पर संशय हुआ
जब पसीने ने गवाही दी वहां
मुफलिसों के पक्ष में निर्णय हुआ
हर सफलता द्वार- देहरी आ गई
कोशिशें के साथ जब परिणय हुआ
हम सभी 'धृतराष्ट्र' हैं इस दौर के
मीडिया इस दौर का संजय हुआ।

यूजर्स गाइड

यूपीआई से पेमेंट करना है आसान लेकिन एक गलती भी पड़ सकती है भारी

यूपीआई से पेमेंट करना तो बहुत आसान है, लेकिन लोग इसके जरिए होने वाले फ्रॉड से अनजान होते हैं। Paytm , PhonePe और Google Pay का इस्तेमाल करने वालों को कई बातों को ध्यान रखना चाहिए। एक गलती आपका बैंक अकाउंट खाली कर सकती है। रोजाना हजारों लोग फेक लिंक, गलत क्त्र कोड या फोन कॉल के जरिए ठगी का शकार होते हैं। इस कारण लोगों को कई बातों का ध्यान रखना चाहिए, इससे वे ठगी से बच सकते हैं। कभी भी अपना यूपीआई पिन किसी के साथ शेयर नहीं करना चाहिए। बैंक आदि कोई भी सरकारी बॉडी आपसे यूपीआई पिन नहीं मांगती है। साथ ही, ध्यान रखें कि पैसे रिसीव करने के लिए भी पिन की जरूरत नहीं होती है। स्कैमर्स ठगी करने के लिए कॉल या फिर मैसेज के जरिए

अनजान लिंक पर क्लिक ना करें: रिफंड या फिर रिवॉर्ड के लिए आए किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक ना करें। WhatsApp या SMS से आए लिंक पर क्लिक करने से बचें। ये फिशिंग लिंक होते हैं और इस पर क्लिक करते ही स्कैमर्स को आपके डिवाइस का एक्सेस मिल जाता है और वे आपके यूपीआई ऐप का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

QR कोड स्कैन करने से पहले चेक करें: कई बार जल्दी में हम बिना देखे ही क्यूआर कोड स्कैन कर लेते हैं। दुकान पर लगे क्त्रकोड को स्कैन करें तो अमाउंट और रिसीवर का नाम मैच करें। फेक QR से पैसा गलत अकाउंट में चला जाता है।

ट्रांजेक्शन लिमिट सेट करें: UPI ऐप में डेली ट्रांजेक्शन की लिमिट सेट कर सकते हैं। आप ऐप की सेटिंग में जाकर डेली लिमिट कम सेट कर सकते हैं।

इससे अगर आपका अकाउंट या डिवाइस किसी के हाथ में लग जाए तो वह ज्यादा पैसे भी ट्रांसफर नहीं कर सकेगा।

अनजान नंबर से कॉल पर भरोसा न करें: डिजिटल अरेस्ट, KYC अपडेट या लॉटरी जीतने वाले कॉल फेक होते हैं। स्कैमर्स इनके बहाने आपसे ओटीपी या फिर पिन मांग सकते हैं। इस कारण ऐसे कॉल से सावधान रहें। यूपीआई ऐप हमेशा आधिकारिक ऐप स्टोर से ही डाउनलोड करें। एंड्रॉयड यूजर्स को गूगल प्ले स्टोर और ऐपल यूजर्स को ऐपल ऐप स्टोर से ही Google Pay, PhonePe, BHIM जैसे ऐप्स डाउनलोड करने की सलाह दी जाती है। अगर आपके साथ कोई फ्रॉड हो जाए तो आपको तुरंत 1930 नंबर पर कॉल करना चाहिए। या फिर आप cybercrime.gov.in पर रिपोर्ट भी कर सकते हैं।

नॉलेज

अनाज से लेकर मसाले तक खुद उगाने वाला छोटा सा आत्मनिर्भर देश गुयाना बन गया मिसाल

दुनिया में ज्यादातर देश फूड के लिए एक-दूसरे पर निर्भर हैं, लेकिन एक छोटा सा दक्षिण अमेरिकी देश है जो हर तरह का अनाज, सब्जी, फल, मांस, मछली, दूध और मसाले खुद उगाकर पूरी तरह आत्मनिर्भर है। यह देश है गुयाना, जो 2025 में Nature Food जर्नल की स्टडी में 186 देशों में अकेला 100 फ़ीसदी फूड सेल्फ-सफिशिएंट पाया गया। स्टडी के मुताबिक, गुयाना सभी सात जरूरी फूड ग्रुप्स - फल, सब्जियां, डेयरी, मछली, मांस, प्लांट-बेस्ड प्रोटीन (जैसे बीन्स, नट्स) और स्टार्ची स्टेपल्स (चावल, कैसावा) में पूरी तरह सेल्फ-सफिशिएंट है।

ये देश किसी अन्य देश से कोई आयात नहीं करता है। गुयाना की आबादी करीब 9 लाख है और यह दक्षिण अमेरिका के उत्तरी तट पर स्थित है। यहां के उपजाऊ तटीय मैदान चावल, कैसावा, सोयाबीन, सब्जियां और पोल्ट्री के लिए आदर्श हैं। नदियों से भरपूर फिशिंग और पशुपालन से मांस-मछली की जरूरत पूरी होती है। देश ने 85 फएसडी से ज्यादा मूल जंगल संरक्षित रखे हैं, फिर भी कृषि में कमाल किया है। 2020-2025 में कृषि निवेश 468 प्रतिशत बढ़ा था जिससे प्रोडक्शन में तेजी आई थी। CARICOM के 25 b4 2025 प्लान (कारिबियन फूड इंपोर्ट बिल 25% कम करने का लक्ष्य, अब 2030 तक) में गुयाना लीडर बना था। स्टडी में बताया गया कि गुयाना ने बायोरिजनल स्ट्रेंग्थ्स पर फोकस किया, जिसमें लोकल क्लाइमेट के हिसाब से क्रॉप्स चुने गए जैसे चावल और कैसावा। 2023 में 10,000 एकड़ में कॉर्न और सोयाबीन उगाए गए, जो 2025 तक 25 से 30, हज़ार एकड़ तक बढ़ गए। रेड बीन्स और ब्लैक-आई पीज में 2024 तक सेल्फ-सफिशिएंट, CARICOM की जरूरत पूरी कर सकता है।

मसाले भी खुद उगाता है देश: ये देश स्पाइसेस जैसे जिंजर, टर्मरिक और ब्लैक पेपर भी उगाता है.। यह उपलब्धि क्लाइमेट चेंज, ग्लोबल सप्लाई चेन डिसरप्शन (कोविड, रूस-यूक्रेन वॉर) के दौर में खास महत्वपूर्ण है। बाकी देशों में फ्रूट्स, वेजिटेबल्स और फिश में कमी है, लेकिन गुयाना ने सभी ग्रुप्स में 100% हासिल किया है। चीन और वियतनाम 6 ग्रुप्स में सेल्फ-सफिशिएंट हैं, लेकिन हर ग्रुप में नहीं। गुयाना ने युवाओं को एग्री-बिजनेस में ट्रेनिंग दी, 200+ शेड हाउस बनाए जिसमें हाई-वैल्यू क्रॉप्स (ब्रोकोली, कैरट्स) उगाए जाते हैं। हनी प्रोडक्शन 2023 में 2,600 गैलन से 2024 में 30,000 गैलन पहुंच गया। गवर्नमेंट ने फर्टिलाइजर सपोर्ट, VAT हटाना और इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश किया। यह मिसाल है कि स्मार्ट पॉलिसी, लोकल क्रॉप्स और नेचर के साथ काम करके छोटा देश भी आत्मनिर्भर बन सकता है।

न्यूज विंडो

नपाध्यक्ष और सीएमओ ने नागरिकों की समस्याओं का किया समाधान

नर्मदापुरम। नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नागरिकों की समस्याओं का समाधान करने हेतु जनसुनवाई की शुरूआत की गई है। जिससे हर जनसुनवाई में आवेदकों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। यहां तक कि अब पार्षद भी अपने वार्डों के नागरिकों की समस्याओं का समाधान कराने जनसुनवाई में पहुंच रहे हैं। जनसुनवाई में उपयंत्रीगण सहित नपा का स्टाफ उपस्थित रहा। नपाध्यक्ष और सीएमओ द्वारा की गई सुनवाई के दौरान नाली, सफाई, पेयजल की समस्याएं आईं जिनका त्वरित समाधान कराया गया। जनसुनवाई के दौरान नगरपालिका स्टाफ द्वारा गुलदस्ता भेंट कर नपाध्यक्ष एवं सीएमओ को नए वर्ष की शुभकामनाएं दी।

एमपी-राजस्थान बॉर्डर पर दर्दनाक हादसा, 2 नाबालिग युवकों की मौत

राजगढ़। नगर में नए साल के पहले ही दिन एक दर्दनाक हादसे ने परिवारों की खुशियां छीन लीं। हादसा मध्यप्रदेश-राजस्थान की बॉर्डर पर राजस्थान के झालावाड़ जिले के भालता थाना क्षेत्र के सरहदी बॉर्डर की है। हादसा उस वक्त हुआ जब राजगढ़ जिले के रहने वाले तीन नाबालिग नए साल पर धार्मिक स्थल के दर्शन कर वापस घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक को अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में दो नाबालिगों की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल है। घायल नाबालिग को गंभीर हालत में झालावाड़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार हादसा झालावाड़ जिले के भालता थाना क्षेत्र के सरहदी बॉर्डर पर गुरुवार को एक बेकाबू ट्रक की टक्कर से बाइक सवार अभिषेक पिता रामनारायण गुर्जर (16) निवासी फत्तूखेड़ी (राजगढ़) और राकेश निवासी डाबरिया (चांचौड़ा) की मौत हो गई। वहीं घटना में हरिओम पिता पर्वतसिंह (16) निवासी फत्तूखेड़ी गंभीर रूप से घायल हुआ है जिसे 108 एम्बुलेंस की मदद से अकलेरा सीएचसी भिजवाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद पैर में फ्रैक्चर होने और गम्भीर चोट लगने के कारण उसे झालावाड़ जिला अस्पताल रेफर किया गया।

ग्राम डोंगर में बाघ ने किया वृद्ध पर हमला, अस्पताल में भर्ती

शिवपुरी. जिले के सतनवाड़ा थाना क्षेत्र में माधव टाइगर रिजर्व की सीमा से सटे ग्राम डोंगर में गुरुवार को बाघिन ने एक वृद्ध पर हमला कर उसे घायल कर दिया। बाघिन ने केवल पैर पर ही वृद्ध को काटा है और उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लाया गया। इधर बुजुर्ग ग्रामीण पर हुए हमले के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने मौके पर पहुंची टाइगर ट्रैड्क्षकग टीम को घेर लिया और पार्क प्रबंधन पर लापरवाही के आरोप लगाए। ग्रामीणों का कहना है कि जिस मादा बाघिन ने हमला किया है, उसे महज 5 दिन पहले 27 दिसंबर को ही टाइगर रिजर्व में छोड़ा गया था और आज उसने हमला बोल दिया। अब तो आए दिन ऐसी घटनाएं होगी। जानकारी के मुताबिक डोंगर गांव निवासी शिवलाल बघेल (68) गुरुवार की सुबह करीब 7 बजे अपने घर से लगभग 100 मीटर दूर खेत में शौच के लिए गया था। तभी खेत में झाडियों के बीच छिपी बैठी बाघिन ने शिवलाल पर अचानक हमला कर दिया। शिवलाल ने शोर मचाया तो आसपास से लोग लाठियां लेकर मौके पर एकत्रित हो गए और बाघिन जंगल में भाग गई। ग्रामीणों की माने तो बाघिन एक या दो दिन से इसी क्षेत्र में थी और पहले उसने कुछ कुत्तों का भी शिकार किया है। घायल शिवलाल को परिजन ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

चिकित्सकों का 6 माह का वेतन अटका जवाबदेही से बच रहा स्वास्थ्य तंत्र

बैतूल। जिले में पदस्थ बंधपत्र चिकित्सकों को पिछले छह माह से वेतन नहीं मिलने का मामला अब स्वास्थ्य विभाग के लिए गंभीर संकट बनता जा रहा है। लगातार शिकायतों के बाद भी समाधान नहीं होने पर चिकित्सकों ने कलेक्टर से लेकर प्रमुख सचिव तक गुहार लगाई। इसके बाद गुरुवार को स्वास्थ्य विभाग की क्षेत्रीय संचालक डॉ. नीरा चौधरी जांच के लिए बैतूल पहुंचीं। सुबह 11 बजे से उन्होंने समस्त बंधपत्र चिकित्सकों की बैठक लेकर एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं और सवाल-जवाब किए। बैठक के दौरान चिकित्सकों ने न सिर्फ वेतन भुगतान में हो रही देरी बल्कि भुगतान के एवज में पैसों की मांग किए जाने जैसी गंभीर शिकायतें भी सामने रखीं। क्षेत्रीय संचालक ने इन आरोपों की बारीकी से जांच करते हुए संबंधित बिंदुओं पर पूछताछ की। वहीं इस पूरे मामले में सीएमएचओ मनोज हुरमाड़े अपनी भूमिका का बचाव करते नजर आए। उन्होंने बैठक में चिकित्सकों से कहा कि यदि अकाउंट सेक्शन में गड़बड़ी हो रही थी या किसी द्वारा पैसों की मांग की जा रही थी तो उन्हें सीधे सूचना दी जानी चाहिए थी। यहां तक कि उन्होंने यह भी कहा कि कलेक्टर और प्रमुख सचिव तक शिकायत करना उचित नहीं था। हालांकि यहीं से पूरे मामले पर सवाल और गहरे हो जाते हैं।

नाबालिग को घुमाने के बहाने दिया वारदात को अंजाम, आरोपी को भेजा जेल

एक तरफा प्यार का खौफनाक अंत छात्रा का रेप कर नर्मदा में फेंका शव

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिले में एकतरफा प्यार करने वाले आशिक ने 17 वर्षीय कॉलेज छात्रा को क्रूर हत्या कर दी। आरोपी ने पीड़िता को घूमने के बहाने ले जाकर नर्मदा नदी किनारे रेप किया, फिर गला दबाकर हत्या कर शव नदी में ठोक दिया। घटना के तीन दिन बाद रंढाल गांव के पास नदी से छात्रा का शव बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी आकाश सोलंकी (कीरतपुर निवासी) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।पुलिस के अनुसार, आरोपी आकाश पीड़िता से एकतरफा प्यार करता था। 10 दिनों से छात्रा ने उससे बातचीत बंद कर दी थी, जिससे गुस्साए आकाश ने 28 दिसंबर की रात को उसे घूमने के बहाने बुलाया। बुधनी रोड के पुल से नीचे खर्राघाट पर जबरन रेप किया, फिर हत्या कर शव नदी में फेंक भाग आया।

परिजनों की शिकायत पर शुरू हुई जांच

एसडीओपी जितेंद्र पाठक ने बताया कि 29 दिसंबर को पीड़िता का मोबाइल बंद होने पर परिजनों ने उसकी सहेली से पूछा, तो पता चला कि वह एक दोस्त के साथ घूमने गई थी। उसी दिन कोतवाली थाने में लापता होने की रिपोर्ट दर्ज हुई। आरोपी पर शक होने पर पूछताछ की, तो उसने पहले आत्महत्या की झूठी कहानी गढ़ी। बार-बार मनगढ़ंत बातें बनाकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। जांच के आधार पर पुलिस कि एक टीम टीआई कंचन सिंह ठाकुर की अगुवाई में गठित हुई। एसडीईआरएफ की मदद से नर्मदा नदी और आसपास सघन सर्च ऑपरेशन चलाया गया। दो दिनों की मशक्कत के बाद रंढाल गांव के पास शव मिला। पोस्टमॉर्टम के बाद शॉर्ट पीएम रिपोर्ट पर रेप और हत्या का मामला दर्ज किया।

पुलिस टीम में ये रहे शामिल

कोतवाली टीआई कंचन सिंह ठाकुर,उपनिरीक्षक संजीव पावर (पथरौटा प्रभारी),उपनिरीक्षक विशाल नागवे, अनुज बघेल,सउनि संजय रघुवंशी, सविता गंजाम,आरक्षक गजेन्द्र डडोरे, अजमेश चंद्रोल, आशीष राजपूत, रवि कुशवाह, वैभव, हरीश, पंकेश,महिला आरक्षक अंजू उईके।

मां नर्मदा जन्मोत्सव उत्सव की तैयारियां हुई तेज, घाटों की साफ-सफाई शुरू

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

मां नर्मदा जन्मोत्सव एवं नगर के गौरव दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर विशेष स्वच्छता अभियान तेज कर दिया गया है। विगत एक सप्ताह से घाटों की पानी मोटर लगाकर धुलाई की जा रही है। इसके साथ ही घाटों की पुताई कार्य भी शुरू हो गया है। नोडल अधिकारी दीक्षा तिवारी ने बताया कि मां नर्मदा जन्मोत्सव और नगर के गौरव दिवस की तैयारियां नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर शुरू की जा चुकी है। घाटों की सफाई कर पुताई कार्य शुरू हो चुका है। स्वच्छता निरीक्षक कमलेश तिवारी ने बताया कि लगातार घाटों की सफाई कराई जा रही है। जमीं मिट्टी को हटाने के लिए पानी के प्रेशर से घाटों को धोया जा रहा है। साथ ही घाटों की पुताई कार्य भी शुरू हो चुका है।

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा ने बताया कि मां नर्मदा जयंती महोत्सव एवं नगर के गौरव दिवस मनाने के लिए तैयारियां जोरों पर चल रही है। सभी से आग्रह है कि मां नर्मदा के घाटों पर किसी भी प्रकार से गंदगी न करें। घाटों पर पालिथिन, साबुन और शैंपू प्रतिबंधित है। इनका उपयोग करते पाए जाने पर जुर्माने की कार्रवाई हो सकती है।

ताले तोड़कर जेवर, नगदी और 2 सिलेंडर चुरा ले गए चोर

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नववर्ष के जश्न के बीचकी रात में चोरों ने नयापुरा इलाके में एक घर से सेंध लगा दी। मोहल्ले में रहने वाले हरिसिंह लोधी अपने परिवार के साथ घर पर ही सो रहे थे। गुरूवार सुबह जब नींद खुली तो मकान के ऊपरी हिस्से के कमरे और किचन के गेट के ताले टूटे हुए थे। कमरे में रखी पलंग पेटी में रखा सामान बिखरा हुआ था और किचन में रखे दो सिलेंडर गायब थे। जब उन्होंने पलंग पेटी में रखे सामान को देखा तों वहां रखी नगदी और सोनी-चांदी के जेवर भी गायब थे। अज्ञात चोर कमरे में रखे 1 लाख 20 हजार रूपए, चांदी की 2 पायल और एक सोने का मंगलसूत्र भी चुरा गए थे। गुरूवार सुबह वे पार्षद प्रतिनिधि राजू कुशवाह के साथ घटना की शिकायत करने सिरोंज थाने पहुंचे। पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर मौका मुआयना भी किया। गुरूवार शाम तक पुलिस के हाथ खाली थे। गौरतलब है कि मोहल्ले में स्थित प्राचीन महामाई मायका मंदिर में भी कुछ महीनों पहले चोरों ने सेंध लगाई थी। जिसका सीसी टीवी फुटेज भी पुलिस को मिल गया था लेकिन आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफत से बाहर है।

भगवान संभवनाथ का हुआ महामस्ताभिषेक

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नए साल के उपलक्ष्य में जैन समाज द्वारा भूगर्भ से प्राप्त भगवान संभवनाथ की प्रतिमा महामस्ताभिषेक किया गया। मुनि निरंजन सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित महामस्ताभिषेक में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर मुनिश्री प्रभावना से भक्तों ने तीर्थ क्षेत्र में निर्माण कार्य के लिए दान राशि भी प्रदान की। आयोजन में सहभागिता करने के लिए नपाध्यक्ष मनमोहन साहू और उपाध्यक्ष मनोज साईंनाथ भी पहुंचे। उन्होंने जैन मुनि के दर्शनों के उपरांत उनसे मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। वे संत सुधासागर गौशाला भी पहुंचे। यहां गौशाला के युवा सदस्यों ने उनका स्वागत कर गौशाला की व्यवस्थाओं और चिकित्सालय से जुड़ी की जानकारी दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

नववर्ष पर उदयपुर के नीलकंठेश्वर महोदव के दर्शन करने केलिए बड़ी संख्या में पहुंचे भक्त

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नववर्ष के मौके पर उदयपुर स्थित भगवान नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही परिवार के साथ आए भक्तों का तांता लगा रहा। जिससे मंदिर में दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। नववर्ष के शुभ अवसर पर हजारों श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ के दर्शन कर जलाभिषेक पूजन कर नववर्ष की शुरुआत कर सुख समृद्धि की कामना की। वहीं पर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के इंतजाम पहले ही कर लिए थे। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में भजन मंडलियों द्वारा भजनों का आनंद लिया। वहीं नववर्ष के मौके पर शहर में आयोजित रामलीला मेले में भी नागरिकों की भारी भीड़ रही जिसमें परिवार के लोग बच्चों सहित मेले में पहुंचे।

बेटी के प्रेम विवाह से गुस्साए पिता ने किया शोक निवारण कार्यक्रम

रतलाम। दोपहर मेट्रो

शहर के मालीपुर क्षेत्र में रहने वाले एक परिवार की बेटी ने बालिक होते ही प्रेम विवाह रचा लिया जिससे नाराज होकर उसके परिवार जनों ने बेटी को मृत मानते हुए उसके शोक निवारण का कार्यक्रम गुरुवार को कर दिया। मालीपुर के रहने वाले राकेश मेहरा ने जानकारी देते हुए बताया कि उनकी बेटी नेहा मेहरा ने 13 दिसंबर को अपने प्रेमी के साथ प्रेम विवाह कर लिया था उसके बाद भी वह हमें बिना बताए घर में रह रही थी। इस घटना ने फिल्म सनम तेरी कसम की याद दिला दी, जिसमें पिता को लगता है कि उसकी बेटी ने बिना बताए लव मैरिज कर ली। और वह गुस्से में उसका श्राद्ध करवा देता है। 24 दिसंबर को अचानक मुझे थाने से फोन आया और थाने पर बुलवाया गया। वहां जाकर देखा तो महिला पुलिस अधिकारी ने मुझे बताया है कि आपकी बेटी ने 13 तारीख को प्रेम विवाह कर लिया है। मुझे इनके शादी के सारे फोटो दिखाए। इसके बाद मैंने बेटी को घर चलने का कहा था। लेकिन तब उसने घर जाने से साफ इनकार कर दिया। उसने पुलिस के सामने कहा कि वह अपने प्रेमी के साथ जाना चाहती है।

घर वालों में आक्रोश, बोले- अब मर चुकी है बेटी

शादी का पता चलने और घर न जाने की बात पर पिता समेत अन्य घर वालों में आक्रोश व्याप्त हो गया। गुस्साए पिता ने फैसला किया कि वह बेटी का शोक निवारण कर उसके साथ रिश्ता ही खत्म कर देगा। पिता के फैसले का परिवार जनों से समर्थन किया। सभी की सहमति के बाद पिता ने जिंदा बेटी का शोक निवारण कार्यक्रम कर दिया। इसमें उसके सभी घर वाले शामिल हुए। पिता ने बताया कि अब हमारे लिए बेटी मर चुकी है। इसके बाद घर वालों की सहमति से बेटी का शोक निवारण का कार्यक्रम किया गया है इसमें सभी घरवालों का कहना है की बेटी अब हमारे लिए मर चुकी है इसलिए उसके शोक निवारण का कार्य कर दिया जाए जिसमें परिवार के सभी लोग उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर मां शारदा सेवा मंडल की रजत जयंती पर हुए धार्मिक आयोजन, बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

चुनरी यात्रा निकालकर मां के चरणों में आस्था की हाजिरी

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नगर के मां शारदा सेवा मंडल की चुनरी यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर रजत जयंती समारोह श्रद्धा, भक्ति और सेवा भाव के साथ संपन्न हुआ। 1 जनवरी को कन्या पूजन और भंडारे के साथ नए वर्ष की पहली वंदना मां शारदा के चरणों में अर्पित करते हुए श्रद्धालुओं ने एक स्वर में कहा कि जग रूठे तो रूठे, मैहर वाली न रूठे। 25 वर्षों से निरंतर मैहर धाम तक पहुंच रही है, यह आस्था से भरी भक्ति यात्रा का आयोजन केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि विश्वास, अनुशासन और सामाजिक समरसता का प्रतीक बन चुका है। रजत जयंती वर्ष में इस यात्रा को और भी व्यापक स्वरूप मिला। इस वर्ष 300 यात्रियों का जत्था मां की चुनरी लेकर मैहर धाम पहुंचा। जयकारों, भजनों और शंखनाद के बीच श्रद्धालु मां शारदा के मंदिर भवन तक पहुंचे। इस अवसर पर मां शारदा सेवा मंडल के संस्थापक मनीष अरोरा का मैहर के नागरिकों द्वारा चुनरी यात्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर विशेष रूप से सम्मान किया गया। मां शारदा सेवा मंडल द्वारा मैहर यात्रा के तीर्थ यात्रियों का रजत अभिनंदन पत्र देकर सम्मान किया गया।

मालूम हो कि नगर के मां शारदा सेवा मंडल द्वारा प्रतिवर्ष मां के शक्तिपीठ मैहर में नए वर्ष के उपलक्ष्य में चुनरी यात्रा, माता के भजनों के साथ देवी रात्रि जागरण के अलावा विशाल भंडारे का आयोजन किया जाता है। इस बार मंडल द्वारा आयोजन का यह 25 वां वर्ष था जिसे रजत जयंती के रूप में बड़े ही उल्लास के साथ दिव्य और भव्य तरीके से मनाया गया। दो दिवसीय इस धार्मिक कार्यक्रम में नगर के अलावा विदिशा, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, बैरसिया, प्रयागराज, बनारस,अमरावती, महाराष्ट्र नागपुर, रीवा, मैहर,बैतूल सहित मंडल से जुड़े हुए अन्य जिलों से देवी भक्त भी सम्मिलित हुए। भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं को गुलाब जामुन, पूड़ी, सब्जी, हलवा चना, सेव, की प्रसादी बांटी गई। 1 जनवरी को नए वर्ष की पहली सुबह मां शारदा के चरणों में विशेष पूजन के साथ हुई। इस अवसर पर पूजा के दो थाल सजाए गए, एक थाल में मां की श्रृंगार सामग्री और दूसरे थाल में कन्या पूजन की सामग्री रखी गई। मां शारदा के दरबार में 12 कन्याओं का पूजन किया गया। कन्याओं को नवीन वस्त्र एवं चुनरी धारण कराई गई, उनका विधिवत पूजन कर उन्हें भोजन कराया गया। श्रद्धालुओं ने इसे नए वर्ष की सबसे शुभ शुरुआत बताया। मंदिर परिसर में पहुंचकर देवी मां को चुनरी अर्पण की गई।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, पति-पत्नी की मौत, एक जबलपुर रेफर

झलौन मार्ग पर नाग बाबा के समीप हुआ हादसा जबलपुर निवासी हैं मृतक

तेंदूखेड़ा! दोपहर मेट्रो

जबलपुर सागर स्टेट हाईवे 15 पर तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नाग बाबा के समीप एक भीषण सड़क हादसे में पति-पत्नी की दर्दनाक मौत जाने का मामला सामने आया है। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया घटना की सूचना मिलते ही 108 वाहन और पुलिस मौके पर पहुंची। जांच पड़ताल शुरू कर जांच कर रही है। गुरुवार को चारों ओर नए साल की खुशियां में देशभर डूबा हुआ था, लेकिन इस हादसे ने नए साल की खुशियां मातम में बदल गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार जबलपुर निवासी प्रदीप पिता डॉ दिवाकर पाठक उम्र 74 वर्ष अलका पति प्रदीप पाठक उम्र 65 वर्ष और प्रमोद पिता डॉ. दिवाकर पाठक उम्र 50 वर्ष जो कि संजीवनी नगर जबलपुर के निवासी हैं और इस हादसे में अलका पाठक और प्रदीप पाठक की मौत हो गई है। प्रमोद पाठक गंभीर हालत में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है बताया गया है कि हादसे में मृतक पति-पत्नी हैं जो जबलपुर से रहली जा रहे हैं लेकिन हादसे के शिकार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर 108 वाहन मौके पर पहुंचा और घायलों को उठाकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया लेकिन रास्ते में अलका पाठक की मौत हो गई थी जबकि प्रदीप पाठक ने स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के दौरान दमतोड़ दिया और डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया जबकि प्रमोद पाठक को गंभीर चोटे आने के चलते जबलपुर रेफर कर गया है इस हादसे में कार जबलपुर से रहली जा रही है जैसे कि कार झलौन मार्ग पर नाग बाबा के समीप पहुंची तो तेज रफ्तार कार का आगे का टायर फट गया और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकरा गई हादसे इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए और कार सवार आधा घंटे तक कार के अंदर बुरी तरह फंसे रहे। जिन्हें राहगीरों द्वारा कड़ी मशक्कत करके बाहर निकाला गया और स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया लेकिन जान नहीं बच सकी। वहीं घटना के बाद स्वस्थ केंद पहुंचे तेंदूखेड़ा दयोदय गौशाला अध्यक्ष संजय जैन ने बताया घटना में घायल ओर मृतक लोग जबलपुर के चर्चित हड्डी विशेषज्ञ डॉक्टर जामदार के रिश्तेदार है जो जबलपुर से रहली जा रहे थे किन्तु बीच में यह घटना हो गई

पुलिस कर रही मामले की जांच

घटना की सूचना मिलते ही तेन्दूखेड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर आगे की कार्रवाई कर रही है। बताया जा रहा मृतक लोग एक ही परिवार के सदस्य हैं जिसमें प्रमोद पाठक और प्रदीप पाठक संगे सगे भाई हैं और अलका और प्रदीप पति-पत्नी हैं जो कि जबलपुर से रहली किसी मंदिर के दर्शन करने के लिए जा रहे थे लेकिन रास्ते में हादसा हो गया मृतक का पोस्टमार्टम कराया जाएगा घटना की सूचना परिजनों को दी गई जहां सूचना मिलते ही परिजन स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना को अपनी आंखों से देखने वाले लोगों ने बताया हमलोग नये साल के अवसर पर नागबाबा के समीप दाल बाटी बना रहे थे अचानक तेज रफ्तार में कार पेड़ से टकराई तेज आवास सुनकर हमलोग मौके पर पहुंचे और कार में फंसे लोगों को निकला उस समय महिला और उसके पति को हालत काफी गंभीर थी।

न्यूज विंडो

कटनी व सिवनी जिले में देर रात दो बड़े हादसे, चार की मौत

कटनी। प्रदेश के कटनी व सिवनी जिले में देर रात दो बड़े हादसे हो गए। पहला हादसा कटनी के रीठी थाना इलाके का है। यहां पिकअप वाहन ने एक बाइक को टक्कर मार दी। इसमें एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। दूसरा हादसा सिवनी के कुरई में हुआ। यहां तेज रफ्तार बाइक सड़क पर खड़े ट्रक में जा घुसी। इसमें दंपती और उनके दोनों बच्चों की जान चली गई। रीठी थाना प्रभारी मो. शाहिद के मुताबिक, हादसा गुरुवार रात करीब 9 बजे हीरापुर और बड़गांव के बीच हुआ। दमोह से आ रहे टमाटर से भरे पिकअप वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मारी थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार दो युवकों और ढाई साल की बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथे युवक ने रीठी अस्पताल में दम तोड़ दिया।

पुलिस की कार्रवाई से 5 लाख के जेवरात से भरा बैग वापस मिला

सागर। आटो चालक की ईमानदारी और पुलिस की तत्परता से 5 लाख के जेवरात से भरा बैग मिल गया। मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने ना केवल परिवार को बैग लौटाया बल्कि आटो चालक का सम्मान भी किया। दरअसल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिंहा को एक परिवार का कीमती सामान ऑटो में छूटने की सूचना मिली थी. इस पर उन्होंने तत्काल उप निरीक्षक आरकेएस चौहान को अपने कक्ष में बुलाकर पूरे प्रकरण की जानकारी दी तथा बैग को शीघ्र ढूंढने हेतु आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। आरकेएस चौहान द्वारा बिना विलंब किए तत्काल टीम गठित की गई। बताया गया है कि कैलाश रजक निवासी चितौरा बेरखेड़ी अपने परिवार सहित भोपाल से बस द्वारा सागर आए थे। सागर बस स्टैंड से ऑटो द्वारा घर पहुंचने के दौरान उनका एक बैग ऑटो में छूट गया था, जिसमें लगभग 5 लाख से अधिक मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात एवं 5,300 रुपये नगद रखे हुए थे। बैग के छूट जाने से परिवार की महिलाएं व्यथित होकर पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचीं। उप निरीक्षक चौहान द्वारा ट्रैफिक थाने से ड्यूटी हेतु सीसीटीवी पुलिस कंट्रोल रूम में ड्यूटी पर तैनात प्रधान आरक्षक रेखा रजक एवं पुलिस कंट्रोल रूम की महिला आरक्षक उर्मिला आरक्षक रेडियो राकेश सुलखिया को सीसीटीवी फुटेज खंगालने के कार्य में लगाया गया। टीम ने अल्प समय में संबंधित ऑटो की पहचान कर ली। इसके उपरांत चौहान द्वारा ऑटो का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया के माध्यम से साझा किया गया तथा आमजन से सहयोग की अपील की गई। उन्होंने बताया कि उन्हें बैग के भीतर रखे सामान की जानकारी नहीं थी और ऑटो में ही बैग छूट गया था। उनकी ईमानदारी एवं जिम्मेदारी की भावना सराहनीय रही। प्राप्त बैग को विधिवत जांच के उपरांत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार सिंहा द्वारा संपूर्ण सामान सहित रजक परिवार को सुरक्षित वापस कराया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने ईमानदार ऑटो चालक मुकेश मिश्रा का सम्मान कर उनके कर्तव्यनिष्ठ एवं प्रशंसनीय व्यवहार की सराहना की गई।

नगर निगम कर्मचारियों को वेतन न मिलने से कर्मचारी संघों का आंदोलन जारी

जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारियों को फूलमाला भेंट कर किया विरोध प्रदर्शन

सागर। दोपहर मेट्रो

नगर निगम कर्मचारियों को वेतन सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर नगर निगम कर्मचारी संघ द्वारा गांधीवादी तरीके से आंदोलन किया जा रहा है। आंदोलन के चौथे दिन नगर निगम कार्यालय में जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों को फूलमाला भेंटकर अपने उत्तरदायित्व को याद दिलाने के लिये विरोध प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव राजेश सिंह राजपूत, सईद उद्दीन कुरैशी, आनंद मंगल गुरु एवं कर्मचारी कल्याण मोर्चा के अध्यक्ष हरेंद्र खटीक ने संयुक्त रूप से कहा कि आंदोलन के तहत सभी कर्मचारी एकत्रित होकर विभिन्न स्थानों पर शांतिपूर्ण एवं रचनात्मक गतिविधियों में शामिल होंगे . इसी के तहत अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा गुरूवार को नगर निगम कार्यालय में सभी जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति में उनके स्टाफ को एवं प्रशासनिक अधिकारी उपायुक्त एसएसबघेल, सहायक आयुक्त तबस्शुम खान, सहायक यंत्री संजय तिवारी को पुष्पमाला भेंटकर विरोध प्रदर्शन किया गया।

चेतावनी: मांगे पूरी नहीं होने तक जारी रहेगा आंदोलन

नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष शईदउद्दीन कुरैशी के नेतृत्व में शाम 5 बजे से सभी कर्मचारी पीली कोठी वाले बाबा जी के दरबार में नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा नगर निगम सागर के अधिकारियों को सदबुध्दि प्रदान करने हेतु दुआ करने जायेंगे। कर्मचारी संघ ने चेतावनी दी है कि जब तक सभी मांगें पूर्ण नहीं होतीं, आंदोलन निरंतर जारी रहेगा। इस अवसर पर प्रहलाद रैकवार, बृजेश तिवारी, देवकुमार चौबे, कुलदीप बाल्मीकि, राजेन्द्र सनकत, रिजवान खान, रज्जन करोसिया, चंद्रविजय गौर, अभिषेक तिवारी, मनोज चौबे, मनोज तिवारी, मुन्नालाल रैकवार, रीतेश अग्रवाल सविता दुबे, राकेश रैकवार ,अजय रैकवार, शकुंतला गोस्वामी, सहित बड़ी संख्या में नगर निगम की सभी शाखाओं के कर्मचारी उपस्थित थे।

दर्शन करने उमड़ी भीड़

संत दिगंबर धर्मपुरी महाराज हाथों के बल नर्मदा परिक्रमा करते हुए डिंडौरी पहुंचे

डिंडौरी। दोपहर मेट्रो

आस्था की भी कोई सीमा नहीं होती, भक्त के भाव का कुछ ऐसा ही प्रमाण डिंडौरी जिले में देखने मिला। यहां संत दिगंबर धर्मपुरी महाराज अपने गुरु के साथ हाथों के बल नर्मदा परिक्रमा करते हुए डिंडौरी नगर पहुंचे। उनके नगर में पहुंचते ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने जगह-जगह स्वागत किया और मार्ग में फूल बिछाए गए। बढ़ती भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस को मार्ग बदलना पड़ा।

संत के डिंडोरी पहुंचने की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु उन्हें देखने पहुंच गए। लोगों ने आतिशबाजी कर स्वागत किया। श्रद्धालु उनके दर्शन कर आशीर्वाद लेते और भेंट अर्पित करते नजर आए। संत दिगंबर धर्मपुरी महाराज ने बताया कि उन्होंने विजयदशमी के दिन नर्मदा के उद्गम स्थल माई की बगिया से परिक्रमा शुरू की थी। हाथों के बल चलने के कारण वे एक दिन में करीब ढाई से तीन किलोमीटर ही आगे बढ़ पाते हैं। इसी वजह से डिंडोरी पहुंचने में दो महीने लगे हैं।

आदिवासियों के साथ धोखाधड़ी, सिस्टम की मिलीभगत से बड़ा घोटाला उजागर

न्यू जोन का एग्रीमेंट, टोरंटो पावर का कब्जा

अनूपपुर।दोपहर मेट्रो

जमीन सिर्फ संपत्ति नहीं, जीवन थी

यह इलाका आदिवासी और गरीब किसानों का है, जिनके लिए जमीन केवल कागजी संपत्ति नहीं, बल्कि रोजी-रोटी, पहचान और अस्तित्व थी। पावर प्लांट के नाम पर जमीन छिनी गई, लेकिन न रोजगार मिला, न पुनर्वास, न सम्मान। अब कंपनियां बदलकर एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रही हैं। यह मामला अब कॉर्पोरेट मुनाफा बनाम संवैधानिक अधिकारों की सीधी लड़ाई बन चुका है।

नगर में प्रस्तावित ताप विद्युत परियोजना अब विकास का प्रतीक नहीं, बल्कि धोखे, दलाली और कॉर्पोरेट लूट की मिसाल बन चुकी है। वर्ष 2011-12 में मध्यप्रदेश शासन के पुनर्वास विभाग और न्यू जोन प्राइवेट लिमिटेड के बीच हुआ एग्रीमेंट आज ऐसा कागज बनकर रह गया है, जिसे जानबूझकर रौंद दिया गया। उस समय विभाग में के.सी. जैन उप सचिव के पद पर पदस्थ थे, लेकिन 15 साल बीत जाने के बाद भी समझौते की एक भी शर्त जमीन पर नहीं उतरी।

सरकारी आदेश में विस्थापितों के लिए मुआवजा, विशेष पुनर्वास अनुदान, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की स्पष्ट गारंटी थी। मगर जमीनी हकीकत यह है कि आदिवासी और गरीब किसानों को मिला सिर्फ भ्रम, आश्वासन और अंतहीन इंतज़ार। जमीन गई, जंगल छिन गए, जीवन उजड़ गयाऔर बदले में मिला शून्य। जिस जमीन के बदले न्यू जोन ने पुनर्वास का वादा किया था, वही जमीन चुपचाप टोरंटो पावर लिमिटेड को बेच दी गई।न कोई सार्वजनिक सूचना,न ग्रामसभा की सहमति,न पुनर्वास की पूर्ति अब सवाल यह नहीं रह गया कि पुनर्वास क्यों नहीं हुआ ग्रामीणों का आरोप है कि पूरे 15 वर्षों तक उन्हें जानबूझकर गुमराह किया गया। उन्हें बताया जाता रहा कि परियोजना न्यू जोन की है, जबकि सच्चाई यह है कि साइट, कर्मचारी, संचालन और सारे कार्यक्रम पूरी तरह टोरंटो पावर के नियंत्रण में हैं।दस्तावेज़ों, बैनरों और आयोजनों में न्यू जोन का नाम तक नजर नहीं आता, फिर भी गांवों में उसी का नाम घुमाया जाता रहा। ग्रामीणों के शब्दों में न्यू जोन का नाम सिर्फ हमें चुप रखने और बेवकूफ बनाए रखने के लिए जिंदा रखा गया है। इस पूरे प्रकरण में प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सवाल तो यह भी उठाते हैं कि क्या पुनर्वास विभाग को जमीन बिक्री की जानकारी नहीं थी या बिना शर्तें पूरी किए भूमि हस्तांतरण वैध हैयदि यह नियमों के खिलाफ है, तो 15 साल तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। जानकारों का मानना है कि यह सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि सिस्टम की मौन सहमति का मामला है, जहां कॉर्पोरेट हितों के आगे आदिवासियों के अधिकारों को कुचला गया। अनूपपुर कलेक्टर प्रभारी अर्चना कुमारी ने बताया कि पुनर्वास नीति का उल्लंघन हो रहा है ऐसा आपके द्वारा मुझे जानकारी प्राप्त हुई हम पूरे मामले को गंभीरता से दिखवा लेते हैं।।

नैनपुर में कुत्ते के मुंह में नवजात शिशु का शव देख लोगों में हड़कंप

मंडला। दोपहर मेट्रो

जिले के नैनपुर नगर के वार्ड नंबर 10 में लोगों ने एक कुत्ते के मुंह में नवजात शिशु का शव देखा। इसे देख बस्ती में भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि कुत्ता मासूम के शव को अपने मुंह में दबाकर कहीं से ला रहा था। आशंका है कि किसी ने नवजात को झाड़ियों या सुनसान जगह पर फेंक दिया था, जहां से कुत्ता उसे उठा लाया। लोगों ने घटना की जानकारी नैनपुर पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और नवजात के शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की है ताकि यह पता चल सके कि कुत्ता शव को किस दिशा से लेकर आया था।

थाना प्रभारी बलदेव सिंह मुजाल्दा ने बताया कि शुरुआती जांच में बच्चा पूरी तरह विकसित लग रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और मौत की सही वजह जानने के लिए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

महिला की अंतिम यात्रा दो दिन तक नहीं निकली, जमीन विवाद बना कारण

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

उमरेठ तहसील के सतनूर गांव में मोक्षधाम जाने वाले रास्ते को लेकर चल रहे जमीन विवाद के कारण एक महिला की अंतिम यात्रा दो दिन तक नहीं निकल सकी। दबंगों ने रास्ता अपनी निजी जमीन बताकर शव ले जाने से रोक दिया। रास्ता नहीं मिलने पर परिजन शव को घर में रखने को मजबूर रहे। प्रशासन और हिंदूवादी संगठनों के हस्तक्षेप के बाद गुरुवार को वैकल्पिक मार्ग से अंतिम संस्कार कराया जा सका। परिजनों के अनुसार 62 वर्षीय इंदिरा बाई पति स्व. झीनो मांडेकर का 31 दिसंबर की सुबह करीब 6 बजे निधन हो गया था। परिवार ने उसी दिन अंतिम संस्कार की तैयारी कर ली थी, लेकिन गांव के एक दबंग परिवार ने मोक्षधाम जाने वाले रास्ते को अपनी जमीन बताते हुए शव ले जाने से इनकार कर दिया। इस दौरान काफी देर तक विवाद की हालात बने रहे।

मेट्रो एंकर मंदिरों में पूजन और अभिभावकों का आशीर्वाद लेकर की नए साल की शुरुआत

पिकनिक स्पॉट और धार्मिक स्थलों पर उमड़ी भारी भीड़

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

साल 2026 का पहला दिन गुरुवार को था जहां जिलेभर में धूमधाम उमंग उत्साह आनंद नजर आया पिकनिक स्पॉट धार्मिक स्थल लोगों से गुलजार रहे चारों ओर काफी चहल-पहल रही कड़ाके की ठंड के बीच सभी ने खूब एन्जॉय किया अल सुबह चाइल्ड यूथ उठे और अपने पैरेंट्स का आशीर्वाद लेकर दिन की शुरुआत की यूथ ने अपने फ्रेंडस के साथ न्यू ईयर को सेलिब्रेट करने के लिए पिकनिक स्पॉट धार्मिक स्थल पहुंचे और भ्रमण कर खूब एन्जॉय किया वर्ष 2025 को लोगों ने देर-रात्रि में अलविदा कहते हुए वर्ष 2026 का आगाज धूमधाम के साथ किया गया। एक दिन पहले ही जिलेभर से लोग अलग अलग स्थानों पर पहुंच कर मंदिरों में दर्शन किए तो कुछ मैहर और उज्जैन सहित बांदकपुर व अन्य मंदिरों में भीड़ नजर आई।

हमेशा ही प्रयास रहता है कि माता पिता की आज्ञा का पालन करूं और इसी प्रण के साथ इस वर्ष में भी प्रवेश किया है कि अपने इस संकल्प को कभी न टूटने दूं और बड़ों का आशीर्वाद हमेशा मिलता रहे। हम लोगों ने मां नर्मदा के दर्शन कर नए साल की शुरुआत की।

-राजा सेन, तेंदूखेड़ा

नया साल उत्साह और उमंग से भरा रहे। सुबह उठकर स्नान ध्यान कर माता पिता दर्शन वंदन कर बड़ी खेरमाई देवी मंदिर पहुंचे। जहां माताराानी से सुख समृद्धि की कामना की गई और पर्यटन स्थल पर पहुंचकर दोस्तों के साथ नये साल को सेलिब्रेट किया।

-वीरु यादव, तेंदूखेड़ा

नए साल पर फैमिली के साथ पिकनिक मनाने के लिए भेड़ाघाट और कचनार सिटी गए थे। जहां शिवजी के दर्शन किए और सभी ने मिलकर एन्जॉय किया है। नये साल की शुरुआत भोलेनाथ के दर्शन कर हुई है। यहां काफी अच्छा लगा है। नये साल में सकारात्मक सोच के साथ आगे बड़े यही उम्मीद के साथ शिवजी के दर्शन किए।

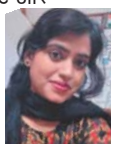

-जानकी साहू, तेजगढ़

पडिक्कल के नाम पर भी विचार संभव

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पंत को मौका देंगे चयनकर्ता?

एडिलेड , एजेंसी

भारतीय टीम को नए साल पर न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है। इसके लिए आने वाले कुछ दिनों में भारतीय टीम का एलान हो सकता है। सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर है कि चयनकर्ता ऋषभ पंत को इस सीरीज के लिए मौका देते हैं या नहीं। पंत पिछले कुछ समय से अच्छी फॉर्म में नहीं चल रहे हैं और उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। पंत टीम में शामिल होंगे या नहीं इसका पता तो टीम की घोषणा होने पर ही चलेगा। पंत पिछले 18 महीनों में एक भी वनडे नहीं खेले हैं और अगर उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मौका नहीं मिलता है तो यह अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति की ज्यादती होगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच यह सीरीज 11 जनवरी से होगी जिसमें रोहित शर्मा और विराट कोहली भी खेलते नजर आएंगे।

अफ्रीका के खिलाफ सीरीज का हिस्सा थे पंत

यह किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय टीम प्रबंधन में कम से कम एक सदस्य को तो पंत का अधिक जोखम से अधिक फायदा वाला रवैया पसंद नहीं है और वह चाहते हैं कि बल्लेबाजी में पंत पारंपरिक रवैया अपनाएं। लेकिन दूसरा मौका दिए बिना पंत को बाहर करने से कई सवाल खड़े होंगे। पंत ने 2025 में एक भी वनडे नहीं खेला हालांकि वह चैंपियंस ट्रॉफी टीम और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले महीने वनडे टीम का हिस्सा थे। सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर आजमाया गया और तीनों मैचों में पंत बाहर रहे।

जुरेल या ईशान को मिलेगा मौका?

पंत ने 2018 में पदार्पण के बाद से सिर्फ 31 वनडे खेले हैं। उन्होंने 30 जून 2019 से 14 जनवरी 2020 के बीच में 11 वनडे खेले। फिर कोविड के बाद उन्होंने 26 मार्च 2021 से 30 नवंबर 2022 तक 15 वनडे खेले और एक शतक, दो बार 75 से अधिक रन और एक 85 रन की पारी खेली। इसके बाद वह भयावह कार दुर्घटना का शिकार हो गए। फिर 2024 में वापसी के बाद से उन्होंने कोलंबो में एकमात्र वनडे खेला। विजय हजारे ट्रॉफी के चार मैचों में वह एक ही में 70 रन बना सके। वहीं ईशान किशन ने झारखंड के लिए कर्नाटक के खिलाफ पहले ही मैच में 14 छक्के लगाए। ध्रुव जुरेल ने भी उत्तर प्रदेश के लिए शतक जमाया और वह पिछली वनडे सीरीज में भारतीय टीम में थे। 15 सदस्यीय टीम में तीन विकेटकीपर तो नहीं हो सकते और बल्लेबाज विकेटकीपर के तौर पर पहली पसंद केएल राहुल ही हैं।

बुमराह-हार्दिक को मिल सकता है आराम

देवदत्त पडिक्कल के नाम पर भी विचार होगा जिन्होंने 37 मैचों में 92 से अधिक की औसत से रन बनाए हैं। लेकिन कप्तान शुभमन गिल की वापसी और दूसरे छोर पर रोहित शर्मा की मौजूदगी के अलावा पिछले वनडे में शतक जमाने वाले यशस्वी जायसवाल के रहते हुए पडिक्कल को जगह मिलना मुश्किल लग रहा है। गेंदबाजी में टी20 विश्व कप को देखते हुए जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को वनडे से आराम दिया जाना तय है। हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह पर विचार किया जा सकता है। मोहम्मद शमी की वापसी की भी अटकलें हैं, जबकि स्पिन में रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर और कुलदीप यादव का खेलना तय है।

2026 में टीम इंडिया का शेड्यूल काफी टाइट

टी-20 वर्ल्ड कप में होगा सबसे बड़ा इंम्तिहान अग्नि परीक्षा से कम नहीं होगा न्यूजीलैंड टूर

नई दिल्ली, एजेंसी

नए साल का आगाज शानदार तरीके से हो चुका है। नया साल भारतीय क्रिकेट के लिहाज से काफी अहम होने जा रहा है। साल 2026 भारतीय क्रिकेट की दिशा तय कर सकता है। इस साल भारतीय मेन्स क्रिकेट टीम का सबसे बड़ा इम्तिहान टी20 वर्ल्ड कप 2026 में होगा, जो 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की सहमेजबानी में खेला जाएगा। भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैम्पियन के रूप में उतरेगी।

अब तक किसी भी टीम ने लगातार दो बार टी20 वर्ल्ड कप खिताब नहीं जीता है, ऐसे में टीम इंडिया उस मिथक को तोड़ना चाहेगी। ग्रुप स्टेज में भारत का सामना संयुक्त राज्य अमेरिका , नामीबिया, पाकिस्तान और नीदरलैंड्स से होगा। इस पूरे अभियान के केंद्र में सूर्यकुमार यादव होंगे, जिन्हें एक युवा भारतीय टीम की कमान सौंपी गई है। यह ऐसा पहला टी20 वर्ल्ड कप होगा, जिसमें रोहित शर्मा या विराट कोहली भाग नहीं लेंगे। अगर सूर्यकुमार की अगुवाई में भारत खिताब बचाने में कामयाब होता है, तो वह क्रिकेट इतिहास की बड़ी उपलब्धियों में से एक होगी। यह कयास लगाया जा रहा है कि 2026 का टी20 वर्ल्ड कप बतौर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव का आखिरी टूर्नामेंट हो सकता है। वर्ल्ड कप के बाद चयनकर्ता अगले दीर्घकालिक कप्तान को तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं

वनडे में रोहित-कोहली की अहमियत बरकरार

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट से दूरी बना ली हो, लेकिन वनडे फॉर्मेट में उनकी अहमियत बरकरार है. 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों में इन दोनों सीनियर खिलाड़ियों की भूमिका बेहद अहम होगी. अगर भारत को सभी फॉर्मेट में शीर्ष दावेदार बने रहना है, तो इन दिग्गजों का योगदान निर्णायक रहेगा. शुभमन गिल को टी20 वर्ल्ड कप 2026 की टीम से बाहर रखा जाना चौंकाने वाला रहा. अब सबकी निगाहें उनके इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में प्रदर्शन पर होंगी. चोटों और फॉर्म को पीछे छोड़कर अगर शुभमन शानदार वापसी करते हैं, तो वह खुद को भारत के भविष्य के ऑल-फॉर्मेट लीडर के रूप में फिर से स्थापित कर सकते हैं. भारतीय टीम इस साल श्रीलंका और न्यूजीलैंड दौरे पर भी जाएगी, जो काफी महत्वपूर्ण होंगे.

न्यूजीलैंड का भारत दौरा (जनवरी)

11 जनवरी- पहला वनडे, वडोदरा
14 जनवरी- दूसरा वनडे, राजकोट
18 जनवरी- तीसरा वनडे, इंदौर
21 जनवरी- पहला टी20, नागपुर
23 जनवरी- दूसरा टी20, रायपुर
25 जनवरी- तीसरा टी20, गुवाहाटी
28 जनवरी- चौथा टी20, विशाखापत्तनम
31 जनवरी- पांचवां टी20, तिरुवनंतपुरम

आईसीसी मेन्स टी20 विश्व कप

7 फरवरी से 8 मार्च
मेजबान- भारत और श्रीलंका

अफगानिस्तान का भारत दौरा (जून)

1 टेस्ट, 3 वनडे

महिला टी20 वर्ल्ड कप पर भी नजरें

जहां ज्यादातर सुर्खियां मेन्स टीम पर टिकी रहेंगी, वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने 2026 में और भी बड़ी उपलब्धियों की भूख के साथ कदम रखी है। नवंबर 2025 में अपना पहला आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद भारतीय महिला टीम ने नए साल की शुरुआत विश्व विजेता के रूप में की है और यही पहचान अब गर्व के साथ-साथ अतिरिक्त दबाव भी लेकर आएगी। इस साल जून-जुलाई में आईसीसी महिला टी20 वर्ल्ड कप भी होना है, जिसपर भारतीय फैन्स की निगाहें हैं। अगर भारतीय महिला टीम वनडे के बाद टी20 वर्ल्ड कप भी जीतने में सफल रहती है, तो यह काफी खास लम्हा होगा। यह तभी संभव हो पाएगा, जब हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना जैसी अनुभवी खिलाड़ी अच्छा खेल दिखाएंगी।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले फॉर्म में मिचेल, जड़ा ताबड़तोड़ शतक

होबार्ट। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 की शुरुआत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है। यह मार्की टूर्नामेंट 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की सहमेजबानी में होना है। टी20 वर्ल्ड कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान मिचेल मार्श ने बल्ले से धमाकेदार प्रदर्शन कर विपक्षी टीम्स को वॉर्निंग दी है। मार्श ने बिग बैश लीग के मैच नंबर-19 में होबार्ट हरिकेन्स के खिलाफ तूफानी शतक जड़ा। यह मुकाबला 1 जनवरी को होबार्ट के ऐतिहासिक बेलरीव ओवल मैदान पर खेला गया।

पर्थ स्कॉर्चर्स के लिए ओपनिंग करने उतरे मिचेल मार्श ने 58 गेंदों पर 105 रन बनाए, जिसमें 11 चौके और 5 छक्के शामिल रहे। यह उनके करियर का सबसे तेज ञ्ज20 शतक रहा। मार्श ने बता दिया कि वह आगामी वर्ल्ड कप में कितने खतरनाक साबित हो सकते हैं। दिलचस्प बात यह रही कि इसी दिन ऑस्ट्रेलिया ने ञ्ज20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया था, जिसका कप्तान मार्श को ही बनाया गया है। मार्श ने अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं के फैसले पर भी मुहर लगा दी। मिचेल मार्श ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर अपनाए। उन्होंने महज 33 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और इसके बाद गेंदबाजों पर पूरी तरह हावी हो गए। 14वें ओवर में उन्होंने मिचेल ओवेन को निशाना बनाते हुए 4, 6, 6 और 4 रन बटोरे, जिससे पर्थ स्कॉर्चर्स की पारी को जबरदस्त रफ्तार मिल गई। इस शानदार पारी के दौरान मिचेल मार्श ने बीबएल में 2000 रन पूरे किए और टूर्नामेंट के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में शामिल हो गए। उनकी अगुवाई में पर्थ स्कॉर्चर्स ने 20 ओवर में 229/3 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

वनडे के भविष्य को लेकर चिंतित हैं अश्विन

बोले- 2027 के बाद 50 ओवर के क्रिकेट को लेकर निश्चिंत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

वनडे क्रिकेट के भविष्य को लेकर आमतौर पर चर्चाएं होती हैं, लेकिन पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इसे लेकर एक नई थ्योरी बताई है। अश्विन का कहना है कि 2027 वनडे विश्व कप के बाद वह इस प्रारूप के भविष्य को लेकर निश्चित नहीं हैं। अश्विन का मानना है कि जब विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे स्टार खिलाड़ी क्रिकेट को अलविदा कह देंगे तब वनडे प्रारूप के अस्तित्व और प्रासंगिकता पर तब संकट आ सकता है। विराट और रोहित की विजय हजारे ट्रॉफी में भागीदारी को लेकर काफी चर्चा रही, लेकिन अश्विन का मानना है कि बढ़ती हुई टी20 लीग और टेस्ट क्रिकेट की अपनी अलग अहमियत के चलते 50 ओवर के प्रारूप के लिए जगह लगातार कम होती जा रही है। अश्विन ने कहा, 027 विश्व कप के बाद वनडे क्रिकेट का भविष्य क्या होगा, इसको लेकर मैं निश्चित नहीं हूं। मैं इसे लेकर थोड़ा चिंतित हूं। मैं विजय हजारे ट्रॉफी देख रहा हूं, लेकिन जिस तरह मैंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी देखी, उसी तरह इसे देख पाना थोड़ा मुश्किल लग रहा है। हमें यह भी समझना होगा कि दर्शक क्या देखना चाहते हैं। मुझे लगता है टेस्ट क्रिकेट के लिए अब भी जगह है, लेकिन वनडे क्रिकेट के लिए सच में जगह नहीं बची है। सभी प्रारूपों में 765 विकेट लेने वाले भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज अश्विन का कहना है कि विराट और रोहित के संन्यास के बाद वनडे प्रारूप और भी कमजोर हो जाएगा।

अश्विन ने वनडे को बताया शानदार प्रारूप

अश्विन ने कहा कि एक समय 50 ओवरों का क्रिकेट एक शानदार प्रारूप हुआ करता था जिससे महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ी सामने आए जो पारी को संभालना जानते थे उन्होंने कहा, वनडे क्रिकेट कभी एक बेहतरीन प्रारूप था जिसने धोनी जैसा खिलाड़ी दिया जो 10-15 ओवर तक सिर्फ एक एक रन लेकर पारी को संभालता था और अंत में विस्फोटक बल्लेबाजी करता था। अब ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं और अब वैसी बल्लेबाजी की जरूरत भी नहीं है क्योंकि अब दो नई गेंदें होती हैं और सर्कल के अंदर पांच क्षेत्ररक्षक रहते हैं।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

बेटी राहा के लिए आलिया भट्ट ने लिया बड़ा फैसला

बोलीं- अब मैं एक समय में करूंगी सिर्फ एक ही फिल्म

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट इस समय इंडस्ट्री की टॉप और कामयाब एक्ट्रेसेस में से एक हैं। आलिया ने अपने करियर में एक से एक कई यादगार किरदार किए हैं और ये ही उन्हें दूसरों से काफी अलग बनाते हैं। अब एक्ट्रेस ने खुलासा किया है कि वो एक साथ कई फिल्में नहीं करना चाहतीं। इसकी वजह भी उन्होंने खास बताई है।

आलिया भट्ट ने कहा, मैं अपने करियर को फेज या माइलस्टोन के रूप में नहीं देखती। फिल्में चुनने का मेरा तरीका पहले जैसा ही है। अलग-अलग मौकों को तलाशना, खुद को चुनौती देना और लगातार अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना।

हालांकि आलिया को मां बनने के बाद ऐसे टेम्पो में काम करना ज्यादा आरामदायक लगता है जो उन्हें किसी प्रोजेक्ट में पूरी तरह से शामिल होने की परमिशन देता है। उन्होंने कहा, स्वाभाविक रूप से मेरा काम और स्पीड बदल गई है क्योंकि मेरा एक बच्चा है। लेकिन यह एक ऐसी स्पीड है जो मुझे आरामदायक लगती है, और मैं इससे खुश हूं। मैं एक समय में एक फिल्म पर ध्यान देना और अपनी सारी ऊर्जा उसमें लगाना पसंद करती हूं। पहले मैं एक साथ दो या तीन फिल्में करती थी, लेकिन अब मैं ऐसा नहीं करना चाहतीं।

अल्फा को लेकर दिया बयान

इस इंटरव्यू में आलिया भट्ट ने यशराज की स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा को लेकर भी बयान दिया। एक्ट्रेस ने कहा, अब जब मेरे करियर की बात हो रही है तो मैंने हमेशा अपने मन और गट्स भी ही भरोसा किया है। मैं हॉर्ट ऑफ स्टोन को एक्शन फिल्म नहीं मानती। वो एक्शन से भरपूर फिल्म थी, लेकिन उसमें मेरा रोल एक्शन वाला नहीं था। अल्फा में मुझे एक्शन करने का मौका मिला है, मैं काफी एक्साइटेड हूं। डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की मच्योरेटेड फिल्म लव एंड वॉर पर बात करते हुए आलिया भट्ट ने कहा, यह सच में एक बहुत ही खास फिल्म है। हम पूरे साल इसकी शूटिंग कर रहे हैं, और यह कभी भी काफी नहीं लगता। आपको हमेशा एक और दिन, एक और पल, एक और सीन की चाहत रहती है जहां आप बस उस एनर्जी को महसूस कर सकें।

दोबारा रिलीज होगी कपिल की फिल्म

धुरंधर की आंधी में बही किस किसको प्यार करूं 2

स्टैंडअप कॉमेडियन कपिल शर्मा ने फैंस को नए साल के मौके पर बड़ी सौगात दी है। पिछले साल 12 दिसंबर को रिलीज हुई उनकी फिल्म किस किसको प्यार करूं 2 सिनेमाघरों में दोबारा से दस्तक देने वाली है। 1 जनवरी को मेकर्स ने अनाउंस कर बताया कि शर्मा फैमिली एंटरटेनर 9 जनवरी को री-रिलीज की जाएगी। प्रोड्यूसर रतन जैन ने भरोसा जताया कि इस बार उनकी फिल्म अच्छा परफॉर्म करेगी। कपिल की मूवी को प्योर एंटरटेनमेंट बताया।

प्रोड्यूसर ने कहा- किस किसको प्यार करूं 2 फैमिली को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। फिल्म को मिले प्यार, हंसी और अच्छे रिव्यू ने इसकी यूनिवर्सल अपील को बढ़ाया है। लोग अभी भी इसकी मांग रहे हैं, इसलिए हमें लगता है इसे थिएटर्स में वापस लाने का ये सही मौका है। अब लोग बड़े स्क्रीन पर फिर से इसका ह्यूमर एंजॉय कर सकेंगे। हम एक ऐसी फिल्म को वापस लाकर खुश हैं जो हंसी और फैमिली एंटरटेनमेंट को सेलिब्रेट करती है।

कपिल की इस फिल्म को मिला-जुला रिस्पॉन्स मिला था। लेकिन धुरंधर की सुनामी ने इसकी कमाई पर असर डाला। कपिल की किस किसको प्यार करूं 2 उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर पाई थी। फिल्म ने पहले दिन 1.85 करोड़ की कमाई की। दूसरे सोमवार मूवी ने कुल 11।9 करोड़ का कारोबार किया। फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म ना करने को लेकर कपिल की टीम ने बयान जारी किया था। जिसमें कहा गया था कि मूवी को थियेटर्स में लिमिटेड स्क्रीन्स मिलने की वजह से इसकी कमाई पर असर पड़ा है।

मेट्रो बाजार

एसयूवी की मांग से 2025 में चमका भारत का ऑटो उद्योग

नई दिल्ली। भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग साल 2025 के अंत में मजबूत स्थिति में रहा और 2026 की शुरुआत आत्मविश्वास के साथ की, जिसमें कई दिग्गज कंपनियों ने अच्छी बिक्री और तेजी दर्ज की। साल 2025 में बाजार की स्थितियां बदलती रहीं, लेकिन साल की दूसरी छमाही में ग्राहकों की मांग बढ़ी। इसकी वजह नई गाड़ियों की लॉन्चिंग, त्योहारी सीजन में खरीदारी और लोगों का बढ़ता भरोसा रहा। लग्जरी कार कंपनी ऑडी इंडिया ने 2025 में 4,510 गाड़ियों की खुदरा बिक्री की। एसयूवी, तेज रफ्तार वाली कारों और महंगी गाड़ियों की लगातार मांग से कंपनी को फायदा हुआ। ऑडी क्यू7, क्यू8, आरएस क्यू8 परफॉर्मेंस और एस5 स्पोर्टबैक जैसी गाड़ियों को ग्राहकों ने काफी पसंद किया। वहीं, ऑडी क्यू3, ए4, ए6 और क्यू5 जैसे मॉडल भी लगातार बिकते रहे। कंपनी ने बताया कि जीएसटी में सुधार और त्योहारों के दौरान अच्छी बिक्री से ग्राहकों का उत्साह बढ़ा। आगे की योजना के बारे में ऑडी इंडिया ने कहा कि वह 2026 में नई गाड़ियां लॉन्च करने, ग्राहकों से बेहतर जुड़ाव और लोगों पर ध्यान देने वाली योजनाओं पर काम करेगी। रेनॉल्ट इंडिया ने भी 2025 की दूसरी छमाही में शानदार वापसी की, जिसमें कंपनी की बिक्री में सालाना आधार पर 18.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। तीसरी तिमाही से बिक्री में तेजी आई और चौथी तिमाही में यह बढ़त 27 प्रतिशत से ज्यादा हो गई। दिसंबर 2025 रेनॉल्ट के लिए सबसे अच्छे महीनों में से एक रहा, जब बिक्री 33.4 प्रतिशत बढ़कर 3,845 यूनिट तक पहुंच गई।

भारतीय अर्थव्यवस्था में बनी रहेगी मजबूत बढ़त, आरबीआई की रिपोर्ट में लगी मुहर

नई दिल्ली/मुंबई। वैश्विक अनिश्चितताओं और चुनौतीपूर्ण अंतरराष्ट्रीय माहौल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी मजबूत विकास दर को बरकरार रखने के लिए तैयार है। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से बुधवार को जारी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी रिपोर्ट (एफएसआर) के अनुसार, मजबूत घरेलू मांग, नियंत्रित मुद्रास्फीति और सतर्क व्यापक आर्थिक नीतियों ने भारत की आर्थिक स्थिति को सुरक्षित किया हुआ है। आरबीआई की रिपोर्ट में सबसे महत्वपूर्ण बात अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सेहत के बारे में कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय बैंकों की स्थिति बेहद मजबूत है। उनके पास पर्याप्त पूंजी और नकदी मौजूद है। बैंकों की संपत्ति की गुणवत्ता में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है और उनका मुनाफा भी मजबूत है। आरबीआई की रिपोर्ट वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद (स्नस्छष्ट) की उप-समिति के सामूहिक मूल्यांकन पर आधारित है, जो भारतीय वित्तीय प्रणाली की लचीलापन और संभावित जोखिमों की समीक्षा करती है।

रिपोर्ट में साफ किया गया है कि ÷घरेलू वित्तीय प्रणाली मजबूत और लचीली बनी हुई है, इसे मजबूत बैलेंस शीट, आसान वित्तीय स्थिति और वित्तीय बाजार में कम उतार-चढ़ाव से समर्थन मिल रहा है।÷ हालांकि, केंद्रीय बैंक ने सचेत किया है कि भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार संबंधी बाहरी अनिश्चितताओं से निकट भविष्य में कुछ जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। आरबीआई की ओर से किए गए मैक्रो स्ट्रेस टेस्ट के परिणाम भी सकारात्मक रहे हैं। ये नतीजे पुष्टि करते हैं कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक किसी भी काल्पनिक प्रतिकूल स्थिति में होने वाले नुकसान को सह सकते हैं। बैंकों के पास नियामकीय न्यूनतम सीमा से कहीं अधिक पूंजी बफर मौजूद है। इसके अतिरिक्त, म्यूचुअल फंड और क्लियरिंग कॉरपोरेशन की स्थिति भी संकट के समय स्थिर रहने की पुष्टि हुई है।

न्यूज विंडो

स्विट्जरलैंड: रिसॉर्ट अग्निकांड में मरने वालों की संख्या हुई 47

बर्न। स्विट्जरलैंड के प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट क्रांस-मोंटाना में नए साल के जश्न के दौरान लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या बढ़कर 47 हो गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। जांचकर्ताओं का कहना है कि आग लगने की वजह 'फ्लैशओवर' हो सकती है, जिससे आग बहुत तेजी से फैल गई। अधिकारियों के मुताबिक, यह आग वैले कैंटन के अल्पाइन रिसॉर्ट में स्थित 'ले कॉन्स्टेलेशन' बार में नए साल के जश्न के दौरान लगी। आग इतनी तेजी से फैली कि बार में भारी तबाही मच गई। बताया जा रहा है कि उस समय बार में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। वैले कैंटन की अटॉर्नी जनरल बेआत्रिस पिलू ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कहीं 'फ्लैशओवर' की वजह से विस्फोट और आग तो नहीं लगी। उन्होंने बताया कि कई परिस्थितियों की जांच की जा रही है और कई संभावनाओं पर विचार हो रहा है। कई चश्मदीदों के बयान लिए गए हैं और घटनास्थल से मिले मोबाइल फोन की जांच की जा रही है। पिलू ने कहा कि घटनाक्रम का सही क्रम अभी स्पष्ट नहीं है और जांच जारी है।

नए साल का जश्न मना रहे लोगों पर यूक्रेन का हमला, 24 की मौत

मॉस्को। नए साल के पहले दिन यूक्रेन ने रूस पर भीषण ड्रोन हमला किया। रूस ने दावा किया है कि इन हमलों में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई है। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। रूसी विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक खेरसॉन प्रांत के एक होटल और कैफे में नए साल के जश्न के दौरान यह यूक्रेनी हमला हुआ। विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूस के नियंत्रण वाले दक्षिणी खेरसॉन इलाके में यूक्रेन ने इस हमले को अंजाम दिया। रूसी सरकार की ओर से नियुक्त क्षेत्रीय गवर्नर व्लादिमीर साल्डो ने यूक्रेन पर आतंकवादी हमला करने का आरोप लगाया। वहीं यूक्रेन का कहना है कि वह नागरिकों को निशाना नहीं बनाता है। साल्डो ने कहा कि तीन यूक्रेनी ड्रोन ने तटीय गांव खोरली में नव वर्ष समारोह स्थल पर हमला किया। उन्होंने इसे नागरिकों के खिलाफ जानबूझकर किया गया हमला बताया। उन्होंने कहा कि कई लोग जिंदा जल गए। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि शुरुआती जानकारी से संकेत मिलता है कि 24 लोग मारे गए हैं और 50 लोग घायल हुए हैं।

वेनेजुएला राष्ट्रपति ने टेके घुटने! बोले- 'अमेरिका से बातचीत को तैयार

काराकस। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने बड़ा बयान दिया है। स्टेट टेलीविजन पर प्रसारित पहले से रिकॉर्ड किए गए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वो ड्रग तस्करी से लड़ने के लिए अमेरिका के साथ समझौते पर बातचीत करने के लिए तैयार हैं। इस दौरान मादुरो ने पिछले हफ्ते वेनेजुएला के डॉकिंग एरिया में CIA के नेतृत्व में हुए हमले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया, जिसके बारे में ट्रंप प्रशासन का मानना था कि इसका इस्तेमाल कार्टेल करते थे। स्पेनिश पत्रकार इग्नासियो रामोनेट के साथ एक इंटरव्यू में, मादुरो ने दोहराया कि अमेरिका वेनेजुएला में सरकार बदलना चाहता है। उन्होंने कहा कि कैरेबियन सागर में बड़े पैमाने पर मिलिट्री तैनाती के साथ अमेरिका देश के विशाल तेल भंडार तक पहुंच हासिल करना चाहता है। मादुरो ने कहा, 'वो क्या चाहते हैं? यह साफ है कि वो धमकियों, डराने-धमकाने और ताकत के जरिए खुद को थोपना चाहते हैं।' बाद में उन्होंने कहा कि अब दोनों देशों के लिए 'हाथ में डेटा लेकर गंभीरता से बात शुरू करने' का समय आ गया है। **'वेनेजुएला अमेरिकी निवेश के लिए तैयार है':** निकोलस मादुरो ने कहा, 'अमेरिकी सरकार जानती है, क्योंकि हमने उनके कई प्रवक्ताओं को बताया है, कि अगर वो ड्रग तस्करी से लड़ने के लिए किसी समझौते पर गंभीरता से चर्चा करना चाहते हैं, तो हम तैयार हैं।'

पहाड़ों से मैदान तक कंपाने वाली सर्दी

हिमाचल-उत्तराखंड में बर्फबारी का अलर्ट

गुलमर्ग में बर्फबारी से ढकी पहाड़ी।

घने कोहरे से देशभर में जनजीवन पर असर

नई दिल्ली, एजेंसी

नए साल के आगाज के साथ ही मौसम ने अपने तीखे तेवर दिखाए। पहाड़ी इलाकों से लेकर उत्तर और मध्य भारत के मैदानी क्षेत्रों तक कड़कड़ाती ठंड रही और घने कोहरे के कारण भी जनजीवन बाधित रहा। कई राज्यों में शीतलहर और कोहरे को लेकर ऑरेंज व यलो अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू-कश्मीर और आसपास के पर्वतीय इलाकों में भारी बारिश और जमकर बर्फबारी से ठंड का प्रकोप और तेज हो गया है।

मौसम विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, कई स्थानों पर सुबह और रात के समय दृश्यता बेहद कम हो गई है, जिससे सामान्य गतिविधियां तक प्रभावित हो रही हैं। मौसम विभाग ने बताया कि एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ पहले से उत्तर पाकिस्तान और आसपास के अफगानिस्तान के हिस्सों में मौजूद था, जो अब पंजाब और उसके आसपास के क्षेत्रों तक पहुंच गया है। इसके प्रभाव से उत्तर भारत में बादल छाए हुए हैं और कई जगहों में बारिश व बर्फबारी दर्ज की जा रही है।

हरियाणा और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा में चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इससे पश्चिमी विक्षोभ अधिक सक्रिय और शक्तिशाली बना हुआ है। पूर्वानुमान के मुताबिक, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 2 और 3 जनवरी को हल्की से मध्यम बारिश तथा ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हो सकती है। मैदानी क्षेत्रों में पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश और बिजली गिरने की आशंका है।

मध्यप्रदेश: कल से फिर लौटेगी कड़ाके की ठंड, 16 जिलों में धुंध

मध्यप्रदेश में साल की शुरुआत में मौसम ने अलग रंग दिखाया। भीषण सर्दी से थोड़ी राहत जरूर मिली, लेकिन प्रदेश के उत्तरी हिस्से को कोहरे ने पूरी तरह जकड़ लिया। 16 जिलों में सुबह से धुंध छाई रही, जबकि 5 जिलों में बादलों की आवाजाही देखी गई। उधर, शहडोल का कल्याणपुर और प्रदेश का इकलौता हिल स्टेशन पचमढ़ी सबसे ठंडे इलाकों में शामिल रहे। मौसम विभाग का कहना है कि यह राहत ज्यादा दिनों की नहीं है। 3 जनवरी से एक बार फिर ठंड तीखा रूप लेगी। गुरुवार को श्योपुर, मुरैना, ग्वालियर, भिंड और दतिया में दिनभर बादल छाए रहे। दतिया में हालात ऐसे रहे कि घना कोहरा विजिबिलिटी को घटाकर महज 50 मीटर तक ले आया। इसके अलावा खजुराहो, सतना, रीवा, सीधी, भोपाल, इंदौर, उज्जैन, राजगढ़, रतलाम, नर्मदापुरम, खरगोन, दमोह और गुना समेत कई जिलों में कोहरे का असर दर्ज किया गया। आज भी हालात कुछ ऐसे ही बने हुए हैं, हालांकि ठंड की धार फिलहाल उतनी तेज नहीं है।

जारी किया ऑरेंज और यलो अलर्ट

मौसम विभाग ने असम, मेघालय, बिहार, पूर्वी राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अगले दो दिनों तक कोहरे और घने कोहरे की चेतावनी जारी की है। पूर्वी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, ओडिशा, पंजाब और पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में बहुत घने कोहरा की आशंका के चलते ऑरेंज और यलो अलर्ट जारी किया गया। **डलहौजी में मौसम की पहली बर्फबारी:** भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने बताया कि देश में खासकर मध्य और पूर्वी भारत में सामान्य से अधिक दिन शीतलहर चलेगी। विदर्भ व मराठवाड़ा के कुछ हिस्सों के अलावा मध्य प्रदेश, पूर्वी यूपी और बिहार के कुछ हिस्सों में जनवरी में एक से तीन अतिरिक्त शीतलहर वाले दिन हो सकते हैं। जनवरी में अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से कम रहने के आसार हैं।

जयशंकर को बलूचिस्तान से खुला पत्र

पाकिस्तान को उखाड़ फेंको, हम भारत के साथ

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के बलूचिस्तान के निर्वासित बलोच नेता मीर यार बलोच ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर को एक खुला पत्र लिखा है। इस ओपन लेटर में मीर यार बलोच ने भारत और बलूचिस्तान के बीच ऐतिहासिक संबंधों के बारे में बताते हुए सहयोग बढ़ाने की अपील की। उन्होंने बलूचिस्तान के छह करोड़ नागरिकों की ओर से भारत के 140 करोड़ लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं।

इस खुले पत्र में एक ओर मीर यार बलोच ने भारत और बलूचिस्तान के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और वाणिज्यिक रिश्तों का जिक्र किया। इसके साथ ही उन्होंने भारत से पाकिस्तान को जड़ से उखाड़ फेंकने की मांग भी कर डाली। बलोच नेता ने कहा कि इस मामले में बलूचिस्तान का हर नागरिक भारत के साथ है। इस खुले पत्र में बलोच नेता ने लिखा, हिंगलाज माता मंदिर जैसे पवित्र स्थल हमारी साझा विरासत के प्रतीक हैं।

'उमर खालिद को जमानत पर रिहा करो', आठ अमेरिकी सांसदों ने की मांग, भारतीय राजदूत को लिखा पत्र

वॉशिंगटन। अमेरिका के आठ सांसदों ने दिल्ली दंगा मामले में आरोपी उमर खालिद को जमानत पर रिहा करने की मांग की है। इस मांग को लेकर अमेरिकी सांसदों ने अमेरिका में तैनात भारतीय राजदूत को चिट्ठी लिखी है। चिट्ठी में उमर खालिद को जमानत देने और दिल्ली दंगों की निष्पक्ष और समयबद्ध कार्रवाई करने की भी मांग की गई है। उमर खालिद दिल्ली दंगा मामले में आरोपी है और गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम के तहत बीते पांच साल से अधिक समय से जेल में बंद है। अमेरिकी सांसदों ने मुकदमे की सुनवाई शुरू होने से पहले लंबे समय तक उमर खालिद को जेल में रखने पर चिंता जाहिर की। चिट्ठी लिखने वाले अमेरिकी सांसदों का नेतृत्व डेमोक्रेट सांसद जिम मैकगवर्न और जैमी रस्किन ने किया।

ईरान में भड़की जनता: हिंसक आंदोलन में 7 की हुई मौत

तेहरान, एजेंसी। ईरान की खराब अर्थव्यवस्था के कारण शुरू हुए विरोध प्रदर्शन ग्रामीण इलाकों में फैल गए हैं। प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में कम से कम 7 लोगों की मौत हो गई है। 5 लोगों की मौत गुरुवार को जबकि एक शख्स की मौत बुधवार को हुई थी। झड़पों में ईरान की पैरामिलिट्री फोर्सेस के एक जवान की भी मौत हुई है जबकि 13 से ज्यादा घायल हुए हैं।

ईरान में हिंसक आंदोलन को दौरान हुई मौतों के बाद प्रदर्शनकारी बेकाबू होते दिख रहे हैं। तेहरान से शुरू हुआ प्रदर्शन अब ईरान के 50 से ज्यादा शहरों तक पहुंच गया है। बढ़ती महंगाई को लेकर शुरू हुआ ये प्रदर्शन सुरक्षाबलों की कार्रवाई के बाद और तेज हो गया है। सबसे ज्यादा हिंसक झड़पें तेहरान के दक्षिण-पश्चिम में 300 किलोमीटर स्थित अजना शहर में हुई हैं। यह शहर ईरान के लोरेस्तान सूबे में पड़ता है।

अफगानिस्तान: भारी बारिश से आई बाढ़, 17 लोगों की गई जान

काबुल। अफगानिस्तान में कई इलाकों में भारी बारिश से अचानक आई बाढ़ में कम से कम 17 लोग मारे गए और 11 अन्य घायल हो गए। देश के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। हालांकि, मौसम की पहली भारी बारिश और हिमपात से लंबे समय से चले आ रहे सूखे का अंत हो गया है। अफगानिस्तान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ हम्माद ने बताया कि भीषण मौसम ने मध्य, उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में भी दैनिक जीवन को बाधित कर दिया है।

जयपुर: चौमूं हिंसा के एक हफ्ते बाद बड़ा एक्शन

उपद्रवियों के अवैध निर्माण पर चला सरकारी बुलडोजर

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के जयपुर जिले के चौमूं में बीते दिनों हिंसा के बाद से आज बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। अवैध निर्माण को ढहाया जा रहा है। मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती है।

दरअसल, चौमूं बीते दिनों मस्जिद के बाहर रेलिंग लगाने को लेकर विवाद हुआ था। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई थी। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की तरफ से किए गए पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल हुए और स्थिति को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े गए थे। इस हिंसा के बाद से आज पुलिस से प्रशासन सख्त है और अवैध अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

31 दिसंबर तक की थी डेडलाइन

चौमूं में मस्जिद के के आसपास अतिक्रमण की जद में आने वाली दुकानों और मकानों के बाहर पहले ही नोटिस चस्पा किए थे। इन नोटिसों में संबंधित लोगों को 31 दिसंबर तक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। संतोषजनक जवाब न मिलने के बाद आज सुबह से प्रशासन की कार्रवाई जारी है और बुलडोजर से अवैध निर्माणों को गिराया जा रहा है।

मेट्रो एंकर

आईएफजे की रिपोर्ट, गाजा युद्ध में रिपोर्टिंग करते हुए 56 ने गंवाई अपनी जान

दुनिया में मारे गए 128 पत्रकार, सबसे ज्यादा मौतें फिलीस्तीन में

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया भर में 2025 में कुल 128 पत्रकारों और मीडिया कार्यकर्ताओं की मौत हुई। अंतरराष्ट्रीय पत्रकार महासंघ यानी कि IFJ की अंतिम रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा पत्रकारों की मौत मध्य पूर्व और अरब दुनिया में हुई। IFJ की रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्य पूर्व और अरब दुनिया में 74 पत्रकारों की मौत हुई जो कि कुल मौतों का करीब 58 फीसदी है। इनमें से भी सबसे ज्यादा 56 मौतें अकेले गाजा युद्ध के दौरान रिपोर्टिंग करते हुए फिलीस्तीन में हुई हैं।

फिलीस्तीन में कुल 56 पत्रकारों की मौत: रिपोर्ट में कहा गया है, 'मध्य पूर्व और अरब दुनिया में 2025 में पत्रकारों की मौतों का एक भयानक रिकॉर्ड है, जहां 74 मौतें हुईं। फिलिस्तीनी पत्रकारों ने सबसे ज्यादा कीमत चुकाई है, क्योंकि गाजा युद्ध में IFJ ने 56 मौतें दर्ज कीं। सबसे चर्चित मामला 10 अगस्त का था, जब अल जजीरा के रिपोर्टर अनस अल-शरीफ को निशाना बनाकर हमला किया गया। वह गाजा शहर के अल शिफा अस्पताल के बाहर पत्रकारों के टेंट में थे, जहां उनके साथ 5 अन्य पत्रकारों और मीडिया कार्यकर्ताओं की भी मौत हो गई।'

भारत में 2025 में 4 पत्रकारों की मौत हुई

IFJ ने रिपोर्ट जारी करते हुए बताया कि कुल 128 मौतों में 9 मौतें दुर्घटना से हुईं और मरने वालों में 10 महिलाएं भी शामिल हैं। रिपोर्ट में यह भी पुष्टि की गई कि 10 दिसंबर के बाद 17 अतिरिक्त मामले सामने आए, जिससे पहले की अस्थायी संख्या 111 से बढ़कर 128 हो गई। वहीं, यमन में 13 पत्रकारों की मौत हुई, यूक्रेन में 8, और सूडान में 6 पत्रकार मारे गए। भारत और पेरू में 4-4 मौतें दर्ज की गईं। इसके अलावा, कई अन्य देशों जैसे पाकिस्तान, मैक्सिको, फिलीपींस और पेरू में 3-3 पत्रकार मारे गए।

चीन में 143 पत्रकारों को जेल में डाला

रिपोर्ट के मुताबिक, एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में 15 पत्रकारों की मौत हुई। यह क्षेत्र दुनिया में पत्रकारों को जेल में डालने वाला सबसे बड़ा क्षेत्र बना हुआ है, जहां कुल 277 मीडिया कार्यकर्ता जेल में हैं। इनमें हांगकांग समेत चीन में कुल 143 पत्रकार जेल में हैं, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। इसके बाद म्यांमार में 49 और वियतनाम में 37 पत्रकार जेल में हैं। वहीं, यूरोप में 2025 में 10 पत्रकारों की मौत हुई, जिनमें से 8 मौतें यूक्रेन में हुईं। अफ्रीका में कुल 9 पत्रकार मारे गए जिनमें सूडान में हुई 6 मौतें शामिल हैं। अमेरिका महाद्वीप में 11 मौतें दर्ज की गईं, जहां पेरू में सबसे ज्यादा 4 मौतें हुईं।

'पत्रकारों को निशाना बनाया जा रहा है': 1990 में अपनी वार्षिक मौत सूची शुरू करने के बाद से, इफ्ज़ ने दुनिया भर में कुल 3173 पत्रकारों की मौतें दर्ज की हैं। इफ्ज़ के महासचिव एंथनी बेलेंजर ने कहा कि ये आंकड़े एक वैश्विक संकट को दिखाते हैं। उन्होंने इस मुद्दे पर सरकारों से तुरंत कार्रवाई करने की अपील की है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेडी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564